- bordernewsmirror@gmail.com
- पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
- द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 पूर्व विधायक रमेश कुशवाहा पत्नी सहित जदयू में शामिल

04 सद्भाव के साथ मनायें होली का त्यौहार: DM

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

पटना, रविवार, 24 मार्च 2024 | www.bordernewsmirror.com | पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रुपए | वर्ष: 05, अंक: 24

LAKSHYA RAJ KIDZEE

Kuraniya May, Purnahia, Ghorasahan, East Champaran - 9006421583

मोदी ने की मॉस्को में आतंकी हमले की निंदा

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को रूस की राजधानी मॉस्को में हुए आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए कहा, "दुख की इस घड़ी में भारत रूसी संघ की सरकार और जनता के साथ एकजुटता से खड़ा है।"

श्री मोदी ने एक्स पर लिखा, "हम मॉस्को में हुए जघन्य आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हैं। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़ितों के परिवारों के साथ हैं। भारत दुख की इस घड़ी में रूसी संघ की सरकार और लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है।"

गौरतलब है कि मॉस्को में आतंकवादी हमले की घटना शुक्रवार रात को हुई जब हथियारबंद लोगों के एक समूह ने मॉस्को में क्रोकस सिटी हॉल कॉन्सर्ट स्थल पर धावा बोल दिया और गोलीबारी की और विस्फोटक उपकरण से विस्फोट कर दिया। रूसी स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, 60 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि लगभग 145 लोग घायल हुए हैं और उनमें से लगभग 60 की हालत गंभीर है। इस बीच, आतंकवादी संगठन आईएसआईएस ने अपनी अमाक समाचार एजेंसी द्वारा पोस्ट किए गए एक बयान में हमले की जिम्मेदारी ली और कहा कि उसके लड़ाकों ने मॉस्को के बाहरी इलाके पर हमला किया था। इस घटना में सैकड़ों लोगों को मार डाला और घायल कर दिया तथा उनके सुरक्षित ठिकानों पर वापस जाने से पहले उस जगह पर भारी विनाश किया।"

मोदी सरकार में चंदादाता का सम्मान अन्नदाता का अपमान

कांग्रेस ने मोदी सरकार पर किया जोरदार हमला

बीएनएम@नयी दिल्ली

कांग्रेस ने मोदी सरकार पर हमला करते हुये कहा है कि इस सरकार की नीति निजी कंपनियों को बढ़ावा देने की बजाय उनका इस्तेमाल कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को फायदा दिलाने की है और इसीलिये उनकी आज चंदादाता का सम्मान तथा अन्नदाता का अपमान हो रहा है।

कांग्रेस के संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने शनिवार को कहा कि हमारे युवा साथियों ने सिर्फ पांच लाइन का एक कम्प्यूटर कोड लिखा है, जिससे सिर्फ 15 सेकण्ड में उच्चतम न्यायालय द्वारा मांगी गयी इलेक्टोरल बॉन्ड से जुड़ी सारी जानकारी हमारे सामने आ गयी।

श्री रमेश ने कहा कि इस जानकारी को देने के लिये भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने 30 जून तक का समय मांगा था, इससे साफ है कि मोदी सरकार ये जानकारियां बाहर नहीं लाना चाहती थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस निजी निवेश के खिलाफ नहीं है, हम भी निजी निवेश के पक्षधर हैं। निजी निवेश के बिना आर्थिक विकास संभव नहीं हो सकता, लेकिन मोदी सरकार ने इलेक्टोरल बॉन्ड के माध्यम से सिर्फ निजी कंपनियों का इस्तेमाल किया है।

कांग्रेस के संचार विभाग के प्रभारी ने कहा, "मोदी सरकार की नीति है- चंदादाताओं का सम्मान करो , अन्नदाताओं का अपमान करो।"

उन्होंने कहा कि श्री मोदी के घोटाले के चार रास्ते थे, चंदा दो-धंधा लो, हफ्ता वसूली, कॉन्ट्रैक्ट लो-रिश्वत दो, शेल कंपनी बनाओ और चंदा देते जाओ।

उन्होंने कहा कि श्री मोदी न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी दर्जा नहीं देना चाहते, लेकिन उन्होंने इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिये रिश्वत को कानूनी दर्जा दे दिया है।

मोदी सरकार की नीति है- चंदादाताओं का सम्मान करो, अन्नदाताओं का अपमान करो। श्री मोदी के घोटाले के चार रास्ते थे, चंदा दो-धंधा लो, हफ्ता वसूली, कॉन्ट्रैक्ट लो-रिश्वत दो, शेल कंपनी बनाओ और चंदा देते जाओ।

कविता की ईडी हिरासत 26 मार्च तक बढ़ी

नयी दिल्ली। राजधानी की एक विशेष अदालत ने शनिवार को दिल्ली आबकारी नीति मामले में गिरफ्तार भारत राष्ट्र समिति नेता एवं तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत 26 मार्च तक बढ़ा दी। सुश्री कविता को जांच एजेंसी ने 15 मार्च को हैदराबाद में उसके आवास पर छापा मारने के बाद गिरफ्तार किया था और मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम के प्रावधानों के तहत मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए 16 मार्च को सात दिनों की ईडी हिरासत हासिल की थी। ईडी के विशेष वकील जोहेब हुसैन ने पीएमएलए के प्रावधानों के तहत एक आवेदन दायर करके सुश्री कविता की हिरासत को पांच और दिनों के लिए बढ़ाने की मांग की। इस मामले में आबकारी नीति के निर्माण और कार्यान्वयन में अनियमितताओं के लिए दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के खिलाफ 17 अगस्त 2022 को सीबीआई द्वारा एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। उसके बाद ईडी ने 22 अगस्त 2022 को ईसीआईआर दर्ज करके जांच शुरू की और 26 नवंबर 2022 को अभियोजन शिकायत दर्ज की तथा विशेष पीएमएलए कोर्ट ने अपराध का संज्ञान लिया।

नौसेना समुद्री क्षेत्र को सुरक्षित रखने को प्रतिबद्धः एडमिरल कुमार

नयी दिल्ली। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरिकुमार ने कहा है कि नौसेना समुद्री क्षेत्र विशेष रूप से हिन्द महासागर को सभी तरह से सुरक्षित बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और उसने पिछले सौ दिनों में ऑपरेशन संकल्प के तहत विभिन्न अभियानों में समुद्री डकैतों से 110 लोगों की जान बचाई है तथा 15 लाख टन से अधिक सामान को समुद्र के रास्ते उसके गंतव्य पर सुरक्षित पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

एडमिरल कुमार ने समुद्री क्षेत्र में सुरक्षा के लिए चलाये जा रहे 'ऑपरेशन संकल्प' के सौ दिन पूरे होने के मौके पर शनिवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, "समुद्री क्षेत्र को सुरक्षित रखना हमारा प्रमुख दायित्व है और नौसेना इसके लिए हर तरह से तैयार है।" उन्होंने कहा कि नौसेना के 35 युद्धपोत और पांच टोही विमान तथा हेलिकॉप्टर हिन्द महासागर से लेकर अदन की खाड़ी, उसके आसपास के क्षेत्रों, अरब सागर और सोमालिया के पूर्वी तट तक समुद्र

में होने वाली गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं। इसके अलावा नौसेना की 11 पनडुब्बी भी अपने मिशन पर रहती हैं। इन अभियानों में पांच हजार से अधिक नौसैनिकों की भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि वैसे तो नौसेना का ऑपरेशन संकल्प 2019 से चलाया जा रहा है लेकिन पिछले वर्ष इजरायल और हमास के बीच संघर्ष के बाद से समुद्री डकैती, जहाजों के अपहरण, मिसाइल तथा ड्रोन हमलों की घटनाएं बढी हैं। उन्होंने कहा कि इसे देखते हुए नौसेना ने गत 14 दिसम्बर को ऑपरेशन संकल्प का दायरा और शक्ति बढाते हुए इस चुनौती का डटकर मुकाबला करते हुए समुद्र की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रकट की है। उन्होंने कहा," आज 23 मार्च को इस आपॅरेशन के 100 दिन पूरे हो गये हैं। नौसेना प्रमुख ने कहा कि इसका मूल उद्देश्य हिन्द महासागर को पूरी तरह सुरक्षित बनाना है और यह हमारी जिम्मेदारी है क्योंकि यह क्षेत्र हमारे देश के नाम से जुड़ा है और इसे सुरक्षित रखना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है।" उन्होंने कहा कि इस दौरान नौसेना ने 18 घटनाओं में कार्रवाई की और हिंद महासागर क्षेत्र में 'प्रथम प्रत्युत्तरकर्ता' और 'पसंदीदा सुरक्षा भागीदार' के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि नौसेना ने एमवी रुएन के अपहरण के मामले में कार्रवाई करके सबसे बड़े ऑपरेशन को अंजाम दिया है। नौसेना ने 450 व्यापारिक जहाजों को सुरक्षा प्रदान की है।

नौसेना प्रमुख ने कहा कि इस ऑपरेशन का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य भारत में आने वाली आयात की वस्तुओं और निर्यात की जाने वाली वस्तुओं के लिए सुरक्षित समुद्र मार्ग उपलब्ध कराना भी है। समुद्र के रास्ते मुख्य रूप से उर्वरक, कच्चे तेल तथा अन्य जरूरी वस्तुओं का आवागमन होता है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा के लिए विभिन्न क्षेत्रों में हर समय विभिन्न देशों तथा एजेन्सियों के 50 से अधिक पोत तैनात रहते हैं लेकिन भारत सबसे पहले कार्रवाई कर मदद करने की कोशिश करता है और इस मामले में उसकी अलग पहचान बनी है।

उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन में समय-समय पर जरूरत पड़ने पर वायु सेना की भी मदद ली जा रही है।ऑपरेशन के दौरान नौसेना के 21 से अधिक युद्धपोतों पर सवार नौसैनिकों ने 450 से अधिक दिन समुद्र में बिताये हैं और विमान द्वारा निगरानी के लिए 900 घंटे की उडान भरी है।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200450565, 9113374254

पूर्व विधायक रमेश कुशवाहा पत्नी सहित जदयू में शामिल

बीएनएम@पटना

जीरादेई विधानसभा के पूर्व विधायक रमेश सिंह कुशवाहा एवं उनकी पत्नी विजयालक्ष्मी कुशवाहा शनिवार को जदयू में शामिल हो गये। प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा सहित अन्य नेताओं ने उन्हें पार्टी की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण कराई।

मौके पर मुख्य रूप से विधान परिषद के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ ''गांधी जी'' एवं विधानपार्षद ललन सर्राफ, बिहार सरकार के पूर्व मंत्री संतोष कुमार निराला, संतोष कुशवाहा, अनिल कुमार, रंजीत कुमार झा, वासुदेव कुशवाहा, धीरज कुशवाहा, राहुल खंडेलवाल आदि मौजूद रहे।

प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि रमेश सिंह कुशवाहा पार्टी के पुराने साथी रहे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नीति-सिद्धांतों में विश्वास जताते हुए उन्होंने पुनः अपनी धर्मपत्नी के साथ जदयू की सदस्यता ग्रहण करने का निर्णय लिया है। जदयू परिवार में हम उनका स्वागत और अभिनंदन करते हैं, हमें विश्वास है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हाथों को मजबूत बनाने में रमेश सिंह कुशवाहा एवं उनकी पत्नी विजयालक्ष्मी कुशवाहा अहम भूमिका निभाएंगे।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में सात वर्ष की कैद

पटना। बिहार में पटना की एक विशेष अदालत ने नाबालिग से दुष्कर्म मामले में दोषी युवक को आज सात वर्षों के कारावास की सजा के साथ 30 हजार रुपये का जुर्माना भी किया।

बच्चों का लैंगिक अपराध से संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की विशेष अदालत के न्यायाधीश कमलेश चंद्र मिश्रा ने मामले में सुनवाई के बाद पटना जिले के बख्तियारपुर थाना क्षेत्र स्थित अबू मोहम्मदपुर गांव निवासी गोलू कुमार वर्मा को पॉक्सो अधिनियम की धारा 4, 8 एवं 12 के तहत दोषी करार देने के बाद यह सजा सुनाई है।

बिहार के गौरवशाली इतिहास का एक सौ बारह साल पूरा होने पर ईस्ट एन वेस्ट में परिचर्चा आयोजित

सहरसा।बीएड व डीएलएड द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षुओं का सौलह सप्ताह का विद्यालय अभ्यास शिक्षण का भी एक साथ समापन हुआ। स्थानीय ईस्ट एन वेस्ट टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज में बिहार के गौरवशाली इतिहास के एक सौ बारह वां स्थापना दिवस समारोह के साथ साथ बीएड व डीएलएड द्वितीय वर्ष के छात्राध्यापकों का एक सौ बारह दिवसीय विद्यालय अभ्यास शिक्षण कार्यक्रम का एक साथ शनिवार को समापन समारोह आयोजित किया गया।

समारोह का उद्घाटन ईस्ट एन वेस्ट कॉलेज समूह के चेयरमैन डॉ रजनीश रंजन, प्राचार्य डॉ नागेन्द्र कुमार झा बीएड विभागाध्यक्ष डॉ बसंत कुमार मिश्रा, प्राध्यापक प्रमुख डॉ प्रियंका पांडेय ने दीप प्रज्वलित कर किया।अपने संबोधन में चेयरमैन ने सभी को बिहार दिवस की बधाई और शुभकामना देते हुए हर बिहारी को शिक्षित बन बिहार के विकास में अपना अपना योगदान देने का संदेश दिया।

उन्होने कहा कि बिहार की धरती से ही पूरे देश में सामाजिक न्याय की पहल ने पूरे देश को नई दिशा व दशा दिखाया है। बिहार की धरती देश का आन बान और शान है क्योंकि इस धरती ने गौतम बुद्ध, महावीर जैसे कितने महापुरुषों को जन्म दिया। उन्होंने कहा कि कोशी की धरती बिहार की विकास गाथा का संवाहक रहा है। धर्म व राजनीतिक रूप से भारती मंडन,भुपेंद्र नारायण मंडल, ललित नारायण मिश्र ने बिहार की इस धरती से समाजिक न्याय व विकास को देश के मानचित्र पर स्थापित कर दिखाया। जिस कारण बिहार अपने वैभवशाली अतीत को आज भी भुला नहीं सकता है। उपस्थित छात्राध्यापक व छात्राध्यापिकाओं से कहा कि बिहारी अस्मिता ही हर बिहारी की अपनी पहचान है। इसलिए बिहार की अतीत गौरवशाली इतिहास व बिहार की पहचान को अक्षुण्ण बनाये रखना हर बिहारी का धर्म भी है।

जयराम कांग्रेस की वापसी का सपना न देखे : मोदी

पटना। पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि पिछले साल तीन विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की हार और बिहार-केरल सहित पूरे देश में टूटते-बिखरते इंडी गठबंधन के बाद भी यदि जयराम रमेश 2004 की तरह कांग्रेस की सत्ता में वापसी की आस लगाये हैं, तो वे धरती पर नहीं, बल्कि मूर्खों के स्वप्न लोक (फूल्स पाराडाइज) में जी रहे हैं।

उन्होंने शनिवार को यहां कहा कि आज की भाजपा वाजपेयी युग की कमजोरियों से सबक लेकर 370 सीटें जीतने का लक्ष्य प्राप्त करने वाली है। कांग्रेस भी 2024 की भाजपा की ताकत समझ चुकी है। इसलिए सोनिया गांधी चुनाव लड़ने से कतरा कर राज्यसभा पहुंच गईं। जयराम रमेश किसे धोखे में रखना चाहते हैं? सुशील मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने जहां एक तरफ गरीबों को पक्के मकान, शौचालय, पांच किलो मुफ्त अनाज, महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन, किसानों को सम्मान निधि और सवा लाख युवाओं को स्टार्ट-अप के जरिये विकास से जोड़ा, वहीं सोशल इंजीनियरिंग और सामाजिक न्याय की दिशा में भी मील के पत्थर लगाये।

मोदी ने कहा कि धारा-370 से मुक्ति, वन रैंक-वन पेंशन, तीन तलाक प्रथा पर रोक और अयोध्या में श्री राम जन्मस्थान पर भव्य मंदिर के पुनर्निर्माण जैसे जो काम वाजपेयी-सरकार नहीं कर पायी थी, उसे भी मोदी-सरकार ने पूरा किया।

आतंकवाद और भ्रष्टाचार पर जीरो टालरेंस वाली एनडीए सरकार से कांग्रेस क्या मुकाबला कर पाएगी, जिसके दस साल में एक तरफ 2 जी, कोल ब्लाक और राष्ट्र मंडल खेल तक में घोटाले होते रहे तो दूसरी तरफ हर बड़े शहर में सीरियल ब्लास्ट सैंकड़ों लोग की जान लेते रहे। जनता उस भयानक दौर में नहीं, पीएम मोदी में अपना सुरक्षित भविष्य देख रही है।

उत्साह पिता ई रिक्शा से ही पूरे घर को संभाला है और बेटी की पढ़ाई कराई

इंटर परीक्षा में टॉपर बिटिया को अपने ई-रिक्शा में बैठाकर घूमाने लगे पिता

बीएनएम@नवादा मोरी

बिहार के नवादा जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के हरिश्चंद्र बीघा नहर की रहने वाले शंकर कुमार साव की पुत्री दीपाली कुमारी ने पूरे बिहार में कॉमर्स में पांचवा रैंक लाकर नाम रोशन की है।

दीपाली की मां गृहिणी है। दीपाली का छोटा भाई प्रिंस कुमार 10वीं में है और पिता ई रिक्शा चलाते हैं। पिता इस ई रिक्शा से ही पूरे घर को संभाला है और बेटी की पढ़ाई भी करायी है। दीपाली ने कॉमर्स संकाय में पूरे राज्य में 467 अंक लाकर पांचवा स्थान प्राप्त किया है। इसके बाद बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। दीपाली की आगे चलकर सीए बनने की ख्वाहिश है। लेकिन मेरी माता-पिता की स्थिति सही नहीं है हमें कोई बेहतर रास्ता मिलेगा तो हम अपने बिहार और अपने नवादा का भी नाम रोशन करेंगे। हम प्रतिदिन आज भी 10:00 बजे रात तक पढ़ते हैं।

हमारा व्हाट्सएप ग्रुप है उसे ग्रुप में 10 लड़की जुड़ी है और सभी लोग एक दूसरे से अपनी क्वेश्चन भी किया करते हैं। किसी तरह का कोई परेशानी होता है तो हम लड़की आपस में ही सॉल्व करने की कोशिश भी करते हैं। दीपाली ने कहा कि आज हमें बहुत अच्छा लग रहा है। हम अपने माता-पिता का नाम रोशन किया है और आगे भी इसी तरह नाम रोशन करेंगे।

ई-रिक्शा पर आगे बैठाकर घूमाया

बेटी की कामयाबी पर पिता की खुशी नहीं थम रही थी। उन्होंने न सिर्फ लोगों को मिठाइयां बांटी, बल्कि अपनी बिटिया को ई-रिक्शा पर आगे बैठाकर घूमाया।

जाप का कांग्रेस पार्टी में विलय होने को कार्यकर्ताओं ने बताया शानदार

सहरसा। जन अधिकार पार्टी(लो) का कांग्रेस में विलय होने पर रंजन यादव के आवास पर शनिवार को पार्टी कार्यकर्ताओं ने खुले दिल से स्वागत किया।वही एकमत हो कर कहा हमारे नेता पप्पू यादव देश बचाने के लिए हर एक कुर्बानी देने के लिए तैयार है।

पार्टी के जिलाध्यक्ष रहे रंजन यादव ने कहा हमारे नेता पप्पू यादव का निर्णय सही है और मैं कांग्रेस नेतृत्व राहुल गांधी, सोनिया गांधी और राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे जी आभार प्रकट करते हैं। जो कांग्रेस जैसे समुन्द्र में हमारे को विलय किए।वहीं जाप के प्रदेश महासचिव रहे शशिभूषण यादव ने कहा पप्पू यादव के कांग्रेस में शामिल होना साकारात्मक पहल है क्योंकि राहुल गांधी जी का एकमात्र लक्ष्य है। आमजनों के हित में किसी तरह भाजपा को सत्ता से हटाना है। प्रदेश सचिव कमलेश्वरी यादव व दीपक मिश्रा ने कहा कांग्रेस में विलय होना कोशी सीमांचल सहित पूरे बिहार के लिए यह निर्णय बरदान साबित होने वाला है और हम अपने नेता के साथ पूरी मजबूती के साथ खड़ा है परिस्थितियां जैसी भी हो हमलोग हर परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार है।

M.S. MEMORIAL PUBLIC SCHOOL
BALGANGA, ARERAJ ROAD, MOTIHARI
Contact No.- 9939047109, 9431203674

दो अन्य एचएम ने भी डाटा ऑपरेटर पर लगाया होली का खर्च मांगने का आरोप

जागापाकड़ पंचायत के विद्यालयों का मामला

नजराना नहीं देने पर वेतन बंद करने की मिल रही है धमकी

मोतिहारी/ हरसिद्धि। जागापाकड़ पंचायत के दो अन्य प्रधानाध्यापकों ने डाटा एंट्री ऑपरेटर पुष्पांजलि कुमारी के खिलाफ शनिवार को बीईओ को आवेदन देकर शिकायत की। आवेदन में प्राथमिक विद्यालय, फूलदेव राम देव के टोला और प्राथमिक विद्यालय, रामनगर के प्रभारी प्रधानाध्यापक शशि प्रभा शर्मा व पंकज कुमार ने होली का खर्च मांगने को लेकर धमकाने का आरोप लगाया है। आवेदन पत्र में लिखा है कि पीएम पोषण योजना की डाटा एंट्री ऑपरेटर पुष्पांजलि कुमारी 19 मार्च को विद्यालय में आईं। उन्होंने निरीक्षण के बाद सारी जानकारी ली। और होली के खर्च के रूप में विद्यालय स्तर से राशि की मांग की। नजराना नहीं देने पर वेतन बंद कराने की धमकी दी। बता दें कि प्रखंड क्षेत्र के कई शिक्षक डाटा ऑपरेटर श्रीमती कुमारी की उगाही से पीड़ित है। अब धीरे-धीरे खुलकर सामने आने लगे हैं। इस बावत शिक्षक नेता मनोज सिंह, बलिंद्र सिंह व जौवाद आलम ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट का आदेश है कि कोई भी एजेंसी या एनजीओ कर्मी विद्यालय की जांच या निरीक्षण नहीं कर सकता। यह न्यायालय के आदेश की अवमानना है। जबकि बीईओ आशा कुमारी ने बताया कि डाटा ऑपरेटर या अन्य कर्मी विद्यालय का अनुश्रवण करते हैं।

रामगढ़वा में कॉमर्स चैंपियन कोचिंग के विद्यार्थियों का जलवा

रामगढ़वा। इंटरमीडिएट की जारी परीक्षाफल में रामगढ़वा की लड़कियों नें कॉमर्स संकाय में बेहतर रिजल्ट लाया है। रिजल्ट आते ही चार सौ प्लस मार्क्स लाने वाले छात्रों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। रामगढ़वा के दही बाजार में कॉमर्स चैंपियन कोचिंग द्वारा एक कार्यक्रम किया गया जिसमें कोचिंग संचालक रमेश यादव नें इन टॉपर छात्राओं को मिठाई खिलाई और शुभकामनायें दी।

इस संस्थान की छात्रा मुस्कान गुप्ता को 433 अंक आया है। मानवी कुमारी को 419, सुनीता कुमारी को 419 अंक मिला है और तीनो में से मुस्कान और सुनीता सिजीएल की तैयारी जबकि मानवी कुमारी शिक्षिका बनना चाहती है। तीनो छात्रा कामर्स में प्रखंड टॉपर की सूची में हैं। तीनो नें बताया कि वे इनकम टैक्स में जाना चाहती हैं। वही जागृत कुमार को 400अंक आया है और प्रिन्स कुमार को भी 402 अंक आया है। छात्रों ने प्रखंड का नाम रोशन की है। वही रमेश ठाकुर संचालक के द्वारा बताया गया कि पिछले साल भी हमरे कोचिंग से ही टॉपर रहा था।

केसरिया में आधा दर्जन से अधिक डीजे जब्त

बीएनएम@केसरिया। डीजे संचालक व इसे बजाने वाले लोगों के विरुद्ध पुलिस प्रशासन सख्ती बरत रही है। शनिवार को केसरिया थाना पुलिस द्वारा थानाध्यक्ष उदय कुमार के नेतृत्व में क्षेत्र के विभिन्न जगहों से करीब आधा दर्जन से अधिक डीजे जब्त किया गया। थानाध्यक्ष श्री कुमार ने बताया कि आदर्श आचार संहिता व होली पर्व में विधि-व्यवस्था आदि को लेकर उक्त कार्रवाई की गई है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में अभियान चलाकर डीजे संचालक व इसे बजाने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

थानाध्यक्ष ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि होली पर्व में डीजे बजाने से बचें। इसकी जगह झाल-मजीरा, करताल, डफली सहित अन्य पारंपरिक वाद्ययंत्र बजाएं। डीजे जब्ती की कार्रवाई में एसआई ओम पाल सहित सशस्त्र बल शामिल थे। इधर, पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र के डीजे संचालकों में हड़कंप मच गया है। बता दें कि समय-समय पर थाना में आयोजित शांति समिति की बैठक में विभिन्न आयोजनों में डीजे बजाने पर सख्ती से मनाही की जाती है। फिर भी लोग नहीं मान रहे हैं। जिसके बाद उक्त कार्रवाई की जा रही है।

अवैध देशी शराब बरामदगी मामले में एक को पांच वर्षों की सश्रम कारावास

मोतिहारी। उत्पाद अधिनियम कोर्ट न.1 के विशेष न्यायाधीश सीमा भारतीय ने अवैध देशी पाउच बरामदगी मामले में दोषी पाते हुए नामजद एक अभियुक्त को पांच वर्षो के सश्रम कारावास व एक लाख रुपए अर्थ दंड की सजा सुनाए। अर्थ दंड नहीं देने पर अतिरिक्त सजा काटनी होगी।सजा बंजरिया थाना के मुशहर टोली निवासी चंदन सहनी को हुई। बंजरिया पुलिस ने गुप्त सूचना पर 22 नवंबर 2022 को चंदन सहनी के घर पर छापेमारी कर 165 लीटर शराब पाउच के रुप में बरामद किया था। साथ ही चंदन सहनी को भी गिरफ्तार किया था। न्यायाधीश ने दोनों पक्षों के दलीलें सुनने के बाद नामजद अभियुक्त को बिहार उत्पाद अधिनियम 2018 की धारा 30(ए) में दोषी पाते हुए उक्त सजा सुनाए।

महिला ने लगायी छलांग

बीएनएम@केसरिया। डायल 112 बेहतर पुलिसिंग व्यवस्था कायम करने में अहम भूमिका निभा रही है। सड़क दुर्घटना में घायल लोगों को अस्पताल पहुँचना हो चाहे मारपीट व अन्य मामलों में घटनास्थल पर तुरंत पहुँच मामला शांत कराना हो हर जगह सराहनीय कार्य कर रही है। इसका उदारहण शनिवार सतरघाट पुल पर देखने को मिला। जहाँ थाना क्षेत्र के सुंदरापुर चट्टी की 55 वर्षीय दुरपति देवी आत्महत्या करने की नियत से पुल से गंडक नदी में छलांग लगा दी। इसके बाद महिला नदी में जमा कीचड़ व बालू में फंस गई। आसपास मौजूद लोगों ने इसकी सूचना डायल 112 को सूचना दी। सूचना पर पहुँचे डायल 112 के पदाधिकारी अनिल कुमार, राजपाल, खुशी सहित अन्य सिपाहियों ने महिला को नदी से निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया। जहाँ इलाज के बाद वह खतरे से बाहर है। बताया जाता है कि महिला के छोटे पुत्र की चार वर्ष पूर्व मौत हो गई थी। जिसके बाद से वह सदमे में रह रही है। इसी वियोग में वह आत्महत्या करने की योजना बनायी थी।

प्रिंस ने इंटरमीडिएट परीक्षा में लहराया परचम

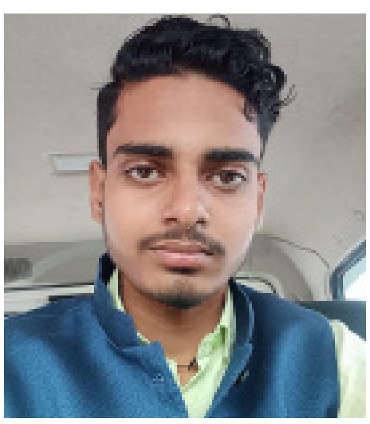

मोतिहारी। जिले के छौडाद्रानों प्रखंड स्थित दरपा थाना क्षेत्र के बैशाखवा निवासी प्रिंस कुमार ने बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना द्वारा घोषित उच्च माध्यमिक परीक्षा परिणाम में अस्सी प्रतिशत अंक लाकर अपनी सफलता का परचम लहराया है। किसान सुरेश प्रसाद यादव व गृहिणी सुगाँधी देवी का यह द्वितीय सुपुत्र प्रिंस कुमार ने सभी विषयों में उत्कृष्ट अंक लाकर अपने माता-पिता, विद्यालय, समाज, प्रखंड व जिले का नाम रौशन किया है। ज्ञातव्य हो कि इसने विज्ञान संकाय में पीसीबी लेकर बी.एल.एस.एस.पी हाई स्कूल, नरकटिया से इंटरमीडिएट परीक्षा में शामिल हुआ था। इनकी सफलता पर इनके किसान पिता श्री यादव ने कहा कि विद्या इंसान का छुपा हुआ और सबसे बड़ा धन है, विद्या माता की तरह रक्षा करती है, पिता की तरह भला करती है, विद्या एक कल्पवृक्ष की तरह है जो चारों दिशाओं में कीर्ति फैलाती है। जिनके पास विद्या है उनके लिए कुछ भी असाध्य नहीं है। प्रिंस कुमार ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, ईश्वरीय आशीष व स्वाध्याय को दिया है। यदि सकारात्मक होकर विद्यार्थियों को किताबों के प्रति लगाव व ललक होगी, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।

अनुमंडल कार्यालय में शांति समिति की बैठक संपन्न

अरेराज। अनुमंडल कार्यालय के सभागार में शनिवार को होली पर्व को शांतिपूर्ण मनाने को लेकर एसडीओ अरुण कुमार की अध्यक्षता में अनुमंडल स्तरीय शांति समिति का बैठक की गई। पदाधिकारियो, गणमान्य लोगों व शांति समिति सदस्यों को संबोधित करते हुए एसडीओ अरुण कुमार व डीएसपी रंजन कुमार ने कहा कि होली पर्व में महिला सुरक्षा पर विशेष ध्यान देना है।

पुलिस पदाधिकारी के साथ साथ बीडीओ, सीओ सहित पदाधिकारी भी मनचलों पर कड़ी निगरानी रखते हुए उनके विरुद्ध सख्त करवाई करे। डीजे हर हाल में जब्त कर डीजे संचालक पर प्राथमिकी दर्ज करें। वही सभी थाना अध्यक्ष डीजे संचालक के साथ बैठक कर डीजे नही बजाने का बॉड भरवाए। तीन दिनों तक सभी सीओ, स्टैटिक मजिस्टेट व थाना अध्यक्ष शराब के विरुद्ध छापेमारी के साथ साथ सघन वाहन जांच करेंगे। शराब बेचने व पीने वाले को हर हाल में गिरफ्तार करे। आदर्श आचार संहिता में 50 हज़ार से अधिक की राशि ले जाने वाले का रुपया जब्त कर कार्रवाई करे।

वही हुड़दंग करने वाले से सख्ती से प्रशासन निपटेगी। अफवाहों पर ध्यान नही देने व इसकी सूचना तुरन्त पदाधिकारी को देने की अपील आमलोगों से किया गया। मौके पर डीसीएलआर इति चतुर्वेदी, नगर मुख्य पार्षद अमितेश पांडेय, सर्किल इंस्पेक्टर कृष्ण कुमार गुप्ता, बीडीओ अमित कुमार पांडेय, नगर अध्यक्ष रनटू पाण्डेय,अनुराग आदित्य, आकांक्षा सिंह, राजू पांडेय, यूसुफ राय सहित सभी बीडीओ,सीओ,थाना अध्यक्ष बिभा कुमारी, उपस्थित थे।

विरासत बचाओ यात्रा के लिए हेरिटेज वॉक वाल्मीकि नगर में किया गया

बगहा।बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान बिपार्ड के द्वारा बिहार दर्शन के उदेश्य से पर्यटन मंत्रालय, पटना, भारत सरकार के सहयोग से एबीटीओ एवं अन्य संगठन द्वारा₹ विरासत बचाओ यात्रा ₹ एवं ₹देखो अपना देश₹ के प्रचार-प्रसार हेतु हेरिटेज वॉक निकाला गया।यह यात्रा वाल्मीकी नगर के कौलेशवर मंदिर से शुरू होकर जटा शंकर मंदिर होते हुए भारतीय सीमा में पड़ने बाले सोन नदी तक संपन्न हुआ।

दुनियां के पुराने सभ्यताओं में एक भारतीय सभ्यता के इतिहास जो लगभग 7500 वर्ष पुराने रामायन एवं लगभग 2500 वर्ष पुराने ₹बौद्ध दर्शन₹ को देश दुनियाँ में प्रचार-प्रसार हेतु यह विरासत यात्रा निकाली गई। इस यात्रा के दौरान विद्यालय के बच्चों में निबंध प्रतियोगिता भी रखी गयी, जिसका शिर्षक था वाल्मीकि नगर - विश्व प्रर्यटन का केन्द्र,जिसमें लगभग 25 बच्चों ने भाग लिया और सफल 10 बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया।

सभी धर्मो के संगम के साथ-साथ प्रकृति के गोद में बसा वाल्मीकि नगर के वाइल्ड लाइफ,नदी, एंसिएंट कल्चर , अंतर्राष्ट्रीय भाई चारा , को लेकर यात्रा में भाग लेने बाले अधिकारी, विशेषज्ञ, स्कौलर , छात्र, शिक्षक टुरिज्म स्टेक होल्डर और ग्रामीणों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

इस अवसर पर एबीटीओ के सचिव कौलेश कुमार,सचीन शर्मा , विवेक पाण्डे आशुतोश कुमार दृवेदी, मनीष सरकार, अनुराग आदि ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

सद्भाव के साथ मनायें होली का त्यौहार: DM

मोतिहारी। जिलाधिकारी पूर्वी चंपारण सौरव जोरवाल के द्वारा होली पर के त्यौहार को शांति एवं सद्भाव के साथ मनाने की सभी जिला वासियों से अपील की गई है। बताया गया है इस वर्ष होली का त्यौहार 26 एवं 27 मार्च को मनाया जाने की सूचना है। 24 मार्च की संध्या में होलीका दहन किया जाना है। इस वर्ष लोकसभा आम निर्वाचन 2024 का चुनाव जिला में 25 मई को होना निश्चित है जिसके मद्देनजर पिछले 16 मार्च से पूरे जिला में आदर्श आचार संहिता प्रभावी है। इसे दृष्टिगत रखते हुए होली पर्व के अवसर पर विशेष सतर्कता की आवश्यकता है।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक के द्वारा पूर्वी चंपारण जिला में चिन्हित किए गए 592 स्थलों पर दंडाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। यह प्रतिनियुक्ति सदर अनुमंडल मोतिहारी में 215 स्थानों पर, चकिया अनुमंडल में 85 स्थान पर, पकड़ी दयाल में 92, सिकरहना में 122,अरेराज में 33 एवं रक्सौल में 45 जगह को चिन्हित करते हुए वहां पर दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। इसके लिए जॉइंट आर्डर निकाला गया है। जॉइंट ऑर्डर में स्पष्ट निर्देश है कि बिना लाइसेंस के कोई भी होली का जुलूस निकालने की अनुमति नहीं देनी है, यदि किसी व्यक्ति या संस्था के द्वारा जुलूस निकालने की अनुमति की मांग की जाती है तो रूट एवं समय आदि को ध्यान में रखते हुए नियम के अनुसार अनुज्ञप्ति निर्गत करने का निर्देश दिया गया है। जुलूस के प्रमुख व्यक्तियों का मोबाइल नंबर एक पंजी में संधारित करने के लिए कहा गया है ताकि आवश्यकतानुसार उनसे संपर्क स्थापित किया जा सके। प्रत्येक थाना और प्रखंड स्तर पर क्विक रिस्पांस टीम का गठन करने का निर्देश दिया गया है साथ ही पंचायत स्तरीय टीम भी पंचायत सचिव एवं कर्मचारियों के नेतृत्व में गठन करने का निर्देश दिया गया है। इस अवसर पर सूचना तंत्र को मजबूत करने एवं अनुमंडल स्तर से लेकर के प्रखंड स्तर पर भी नियंत्रण कक्ष स्थापित करने का निर्देश दिया गया है। जिला स्तर पर अलग से नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है जो 06252-242418 पर लगातार कार्यरत रहेगा। नियंत्रण कक्ष में पदाधिकारी एवं कर्मियों की तीन शिफ्ट में ड्यूटी लगाई गई है। जिलाधिकारी के द्वारा अपील की गई है कि सभी लोग अच्छे से शांति एवं सद्भाव के साथ होली का पर्व मनाएं।

ट्रेन से कटने से नेपाल आर्मी के पूर्व सैनिक की मौत

मोतिहारी। रक्सौल में ट्रेन से कटकर नेपाल आर्मी के पूर्व जवान की मौत हो गई। घटना रक्सौल रेलवे यार्ड के समीप की है।वही घटना का सूचना पर मौके पहुंचे जीआरपी इंस्पेक्टर पवन कुमार व आरपीएफ इंस्पेक्टर ऋतुराज कश्यप ने घटना की सूचना नेपाल पुलिस को दी है। नेपाल पुलिस ने इसकी सूचना मृतक के परिजन को दी। जीआरपी थाना पहुंचे परिजन ने रोते हुए बताया कि वो पूर्व में नेपाल सैनिक में कार्यरत थे। मानसिक रूप से विछिप्त होने के कारण पांच साल नौकरी रहते रिटायर्डमेन्ट लेना पड़ा। मृतक नेपाल के जिला रौतहट के हजमिनिया का निवासी रामकिशोर सिंह का पुत्र नितेश कुमार सिंह है।

नितेश कुमार सिंह के पत्नी ऋतु देवी ने बताया कि उसके दो बच्चें है। बच्चों की पढ़ाई के चलते नेपाल के बीरगंज शहर में रहते है। मेरे पति मानसिक रूप से बिछिप्त थे। उनका इलाज चल रहा था। रेल थानाध्यक्ष पवन कुमार ने बताया कि शव को अभिरक्षा में लेकर कागजी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। प्रथम दृष्टया शव को देखने से आत्महत्या प्रतीत हो रहा है। फिलहाल परिजन ने बताया कि उक्त व्यक्ति मानसिक रूप से बीमार था। जिसका जांच किया जा रहा है।

देशी शराब का दो हजार लीटर घोंल विनिष्ट, दस भट्ठी ध्वस्त

मोतिहारी। जिले के संग्रामपुर पुलिस ने शनिवार को मधुबनी कोइरगंवा के समीप रोहुआ व झिमझिममिया चंवर में छापेमारी कर देशी शराब के दो हजार लीटर घोंल को विनिष्ट किया। थानाध्यक्ष धीरज कुमार सिंह ने बताया कि होली के मद्दे नजर शराब को लेजर लगातार छापेमारी हो रही हैं। इसी दौरान शराब बनाने वाले दस भट्ठी को धस्वत किया गया, वही साठ लीटर देशी चुलाई शराब बरामद किया गया।पुलिस की जानकारी मिलते ही शराब कारोबारी भाग निकले ।छापेमारी में एसटीएफ सहित पुलिस टीम मौजूद रही।

साइबर फ्रॉड ने महिला के खाते से उड़ाया एक लाख रुपये

मोतिहारी। साइबर अपराधियों ने एक महिला के बैंक खाता से 99 हजार 9 सौ 99 रुपया उड़ा लिया है। मामले को लेकर श्रीकृष्ण नगर मोहल्ला निवासी संजू झा ने थाने में आवेदन देकर एफआईआर दर्ज कराते हुए कहा है कि 16 मार्च को उनको एक कॉल आया, जिससे वे रिसीव नही की। बाद में उस नम्बर पर कॉल किया पर कनेक्ट नही हुआ। उनका कहना था कि उसी रोज बैंक में 1 लाख 2 हजार रुपये उनके द्वारा जमा कराया गया था। इसके अगले दिन उनके खाते से उक्त राशि निकालने का उनके मोबाइल फोन पर मैसेज आया। इस बाबत नगर थानाध्यक्ष राकेश भास्कर ने बताया है कि घटना को लेकर कांड दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया गया है।

होली आपसी भाईचारा, प्रेम और सद्भावना का त्योहार: नीरज सिंह

शिवहर। नीरज सिंह फाउंडेशन के फाउंडर उद्योगपति नीरज कुमार सिंह ने शिवहर मथुरापुर अपने पैतृक निवास स्थान पर होली मिलन करते हुए कहा है कि होली एक संस्कृति ,धार्मिक और पारंपरिक त्यौहार है. उद्योगपति नीरज सिंह ने कहा है की होली बुराई पर अच्छाई की जीत और बसंत ऋतु की आगमन के प्रतीक के रूप में रंगों के साथ मनाया जाने वाला पर्व है। होली भाईचारे, आपसी प्रेम और सद्भावना का त्यौहार है. उन्होंने होली मिलन के अवसर पर पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदू धर्म के अनुसार होलिका दहन को बुराई पर अच्छाई का जीत का प्रतीक माना गया है ।आपसी मतभेद भूलकर एक दूसरे को रंग लगाना चाहिए ।लाल रंग बहुत ही महत्वपूर्ण माना गया है। अब हर धर्म के लोग होली का त्योहार उत्साह और मस्ती के साथ मनाते हैं। इस अवसर पर समाज सेवी व उद्योगपति नीरज कुमार सिंह अपने ग्रामीणों के साथ भी जमकर होली खेली। तथा कहा कि आपसी मतभेद भूल कर होली पर्व मनाए।

पानी के बिना संभव नहीं जीवन की कल्पना

(विश्व जल दिवस पर विशेष)

योगेश कुमार गोयल

जल संकट गहराने के पीछे नदियों तथा जलाशयों के सही रखरखाव का अभाव और उनका अतिक्रमण भी कुछ अहम कारणों में शामिल हैं। देश की अधिकांश आबादी दूषित पेयजल का सेवन करने पर विवश है। भूजल बोर्ड की एक रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 1990 के बाद से भूजल स्तर में तेजी से गिरावट आ रही है और यदि भूजल स्तर इसी रफ्तार से घटता गया तो बहुत अधिक गहराई से जो पानी निकाला जाएगा, वह पीने लायक नहीं होगा क्योंकि उसमें आर्सेनिक तथा फ्लोराइड की मात्रा अधिक होने के कारण बीमारियां बढ़ेंगी।

प्रतिवर्ष 22 मार्च को दुनियाभर में लोगों में जल संरक्षण और रखरखाव को लेकर जागरूकता फैलाने के लिए 'विश्व जल दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस मनाए जाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्र द्वारा 1992 में रियो द जेनेरियो में आयोजित 'पर्यावरण तथा विकास का संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन' में की गई थी। संयुक्त राष्ट्र की उसी घोषणा के बाद पहला विश्व जल दिवस 22 मार्च 1993 को मनाया गया था। यह दिन जल के महत्व को जानने, समय रहते जल संरक्षण को लेकर सचेत होने तथा पानी बचाने का संकल्प लेने का दिन है। दरअसल जल धरती पर मानव जीवन की बुनियादी जरूरतों में सबसे महत्वपूर्ण तत्व है और वर्तमान में पृथ्वी पर पेयजल की उपलब्धता से जुड़े आंकड़ों पर नजर डालने से स्पष्ट हो जाता है कि पानी की एक-एक बूंद बचाना हमारे लिए कितना महत्वपूर्ण है। पानी की समस्या भारत में भी लगातार गंभीर होती जा रही है, जिसका अंदाजा हाल के बेंगलुरू जल संकट से आसानी से लगाया जा सकता है। ऐसे में विश्व जल दिवस की महत्ता हमारे लिए भी कई गुना बढ़ जाती है। देश में हर साल जाने-अनजाने करोड़ों लीटर पानी बर्बाद हो जाता है। इसी वजह से कुछ वर्ष पूर्व विश्व जल दिवस के अवसर पर 22 मार्च के ही दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'जल शक्ति अभियानः कैच द रेन' की शुरूआत की थी और उस अभियान के तहत देश के सभी शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में वर्षा जल संचयन के लिए नारा दिया गया था 'जहां भी गिरे, जब भी गिरे, वर्षा का पानी इकट्ठा करें।' एक ओर जहां करोड़ों लोग विशेषकर गर्मी के मौसम में बूंद-बूंद पानी के लिए तरसते रहते हैं, वहीं बारिश के मौसम में वर्षा जल का संरक्षण-संचयन नहीं होने के अभाव में प्रतिवर्ष लाखों गैलन पानी व्यर्थ बह जाता है। यदि इस पानी का संरक्षण कर लिया जाए तो देश की बड़ी आबादी की प्यास इसी पानी से बुझाई जा सकती है लेकिन चिंता की बात है कि देश में अभी तक वर्षा जल संरक्षण को लेकर कहीं जागरूकता नहीं दिखती। पर्यावरण संरक्षण पर हिन्दी अकादमी के सौजन्य से प्रकाशित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के अनुसार भारत में जल संकट बढ़ने का एक बड़ा कारण यही है कि हम वर्षा जल का बहुत ही कम मात्रा में संरक्षण कर पाते हैं। 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के मुताबिक

देश में प्रतिवर्ष करीब तीन हजार अरब घन मीटर पानी की जरूरत होती है जबकि भारत में होने वाली वर्षा की मात्रा करीब चार हजार अरब घन मीटर होती है लेकिन वर्षा जल संग्रहण के पर्याप्त प्रबंध नहीं होने के कारण मामूली से वर्षा जल का ही संग्रहण संभव हो पाता है। एक ओर जहां इजराइल जैसे देश में औसतन दस सेंटीमीटर वर्षा होने के बावजूद भी वह इतने अन्न का उत्पादन कर लेता है कि उसका निर्यात करने में भी सक्षम हो जाता है, वहीं दूसरी ओर भारत में औसतन पचास सेंटीमीटर से भी ज्यादा वर्षा होने के बावजूद अन्न की कमी बनी रहती है। दरअसल नदियों-तालाबों जैसे पवित्र माने जाते रहे जलस्रोतों को सहेजने में लापरवाही और भूमिगत जल में प्रदूषण की बढ़ती मात्रा तथा वर्षा जल संचयन का उचित प्रबंध न होना भारत में जल संकट गहराते जाने की मुख्य वजह बन रहे हैं।

देश में आज के आधुनिक युग में भी बहुत से इलाकों में लोगों को दूर-दूर से पानी लाना पड़ता है या लंबी-लंबी कतारों में लगकर कामचलाऊ पानी मिल जाता है। चौंकाने वाला यह तथ्य भी सामने आ चुका है कि कुछ इलाकों में महिलाओं को पीने का पानी लाने के लिए प्रतिदिन औसतन छह किलोमीटर से भी ज्यादा का सफर पैदल तय करना पड़ता है। हालांकि सरकार द्वारा जलशक्ति अभियान के तहत हर घर को पानी मुहैया कराने का लक्ष्य रखा गया है लेकिन इस तथ्य को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि देश में 2030 तक पानी की जरूरत दोगुनी हो जाएगी और 2050 तक यह चार गुना बढ़ जाएगी तथा जल संकट का देश के सकल घरेलू उत्पाद पर छह फीसदी तक असर पड़ सकता है। भारत में पानी की कमी का संकट लगातार किस कदर गहरा रहा है, इसका अनुमान सरकार द्वारा संसद में दी गई उस जानकारी से भी लगाया जा सकता है, जिसमें बताया गया था कि वर्ष 2001 और 2011 में भारत में जल उपलब्धता प्रति व्यक्ति क्रमशः 1816 और 1545 घन मीटर थी, जो अब 1480 घन मीटर से भी कम रह जाने का अनुमान है। 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के मुताबिक भूमिगत जल का अंधाधुंध दोहन किए जाने का ही नतीजा है कि कई शहरों में भूजल स्तर तेजी से नीचे गिर रहा है। नीति आयोग यह चेतावनी दे चुका है कि देश के 21 बड़े शहरों में भूजल का स्तर आने वाले समय में शून्य तक पहुंच सकता है।

जल संकट गहराने के पीछे नदियों तथा जलाशयों के सही रखरखाव का अभाव और उनका अतिक्रमण भी कुछ अहम कारणों में शामिल हैं। देश की अधिकांश आबादी दूषित पेयजल का सेवन करने पर विवश है। भूजल बोर्ड की एक रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 1990 के बाद से भूजल स्तर में तेजी से गिरावट आ रही है और यदि भूजल स्तर इसी रफ्तार से घटता गया तो बहुत अधिक गहराई से जो पानी निकाला जाएगा, वह पीने लायक नहीं होगा क्योंकि उसमें आर्सेनिक तथा फ्लोराइड की मात्रा अधिक होने के कारण बीमारियां बढ़ेंगी। देशभर में कृषि, उद्योग तथा दैनिक क्रियाकलापों की करीबन अस्सी फीसदी जरूरतें जमीन पर तथा उसके भीतर उपलब्ध पानी से ही पूरी की जाती हैं। बहरहाल, जल संकट से निजात पाने के लिए बेहद जरूरी है कि पानी के सीमित एवं समुचित उपयोग के लिए जागरूकता बढ़ाने पर जोर देते हुए लोगों में पानी बचाने की आदतें विकसित करने के प्रयास किए जाएं, साथ ही वर्षा जल का संचय किए जाने के भी हरसंभव प्रयास हों। वर्षा जल संचय के लिए नदियों और जलाशयों की हालत सुधारकर इनकी जल संग्रह क्षमता को बढ़ाना और भूजल के स्तर को बढ़ाने वाली जगहों को ठीक करना बेहद जरूरी है। भारत में पेयजल संकट के समाधान के लिए 'जल शक्ति मंत्रालय' का गठन किया गया था, जिसके तहत सभी घरों में नलों से पानी उपलब्ध कराने के लिए व्यापक इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने पर जोर दिया जा रहा है लेकिन सवाल यही है कि अगर भूजल इसी तरह गिरता रहा और पानी की कमी का संकट ऐसे ही गहराता रहा तो इन नलों में पानी कहां से आएगा और कैसे घर-घर तक पहुंचेगा? इसलिए बेहद जरूरी है कि प्रत्येक नागरिक को पानी के महत्व का अहसास कराया जाए और बताया जाए कि पानी के बिना जीवन की कल्पना ही संभव नहीं है।

संपादकीय

भाजपा का दक्षिण अभियान

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा ने इस लोक सभा चुनाव में पार्टी के लिए 370 और एनडीए गठबंधन के लिए 400 सीटें प्राप्त करने का लक्ष्य तय किया है। इसके लिए उसे दक्षिण भारत का दुर्ग जीतना बेहद आवश्यक है। दक्षिण के केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक को मिला कर लोक सभा की 130 सीटें हैं। अगर भाजपा को 400 पार के संकल्प को पूरा करना है तो उसे 130 सीटों में से खासी हिस्सेदारी प्राप्त करनी होगी। इसी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भाजपा ने तमिलनाडु में डॉ. एस. रामदॉस के नेतृत्व वाली पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के साथ सीटों का समझौता किया है। पीएमके का प्रदेश के वलियार समुदाय में अच्छा प्रभाव है। प्रधानमंत्री मोदी इस तथ्य से परिचित हैं कि एआईएडीएमके की नेता रहीं जयललिता के निधन के बाद डीएमके का प्रदेश में राजनीतिक प्रभुत्व और भी बढ़ गया है। 2019 के आम चुनाव में डीएमके की अगुवाई वाले सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस को राज्य की 39 में से 38 सीटों पर विजय हासिल हुई थी। भाजपा ने पांच उम्मीदवार खड़े किए थे और सभी हार गए थे। तमिलनाडु, केरल और आंध्र प्रदेश ऐसे राज्य हैं जहां भाजपा का खाता नहीं खुला था। दक्षिणी भारत की 130 सीटों में से भाजपा को केवल 29 सीटें मिली थीं। कर्नाटक की 28 में से 25 और तेलंगाना से 4 सांसद जीत कर आए थे। इस समय दक्षिण के किसी भी राज्य में भाजपा सत्ता में नहीं है। पिछले वर्ष वह कर्नाटक विधानसभा चुनाव कांग्रेस से हार गई। यहां की 25 सीटों को बरकरार रखा पार्टी के लिए एक चुनौती है। भाजपा का दक्षिण भारत को छोड़ कर देश के अन्य हिस्सों में अच्छा खासा राजनीतिक प्रभाव है। लेकिन दक्षिण भारत में कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों का प्रभुत्व है। भाजपा को वास्तविक अथरे में अखिल भारतीय राजनीतिक दल का तमगा तभी लगेगा जब दक्षिण भारत के राज्यों में भी इसका विस्तार हो। प्रधानमंत्री मोदी दूरदर्शी नेता हैं। इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए उन्होंने अयोध्या में रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा के पूर्व दक्षिण भारत के रामायण से जुड़े सभी मंदिरों और तीर्थस्थलों का दौरा करके अपनी आध्यात्मिक यात्रा पूरी की थी। तब राजनीतिक हलकों में उनकी इस यात्रा को 2024 के लोक सभा चुनाव से जोड़ कर देखा गया था। प्रधानमंत्री मोदी 'दक्षिण के मिशन' को लेकर कितना गंभीर और सक्रिय हैं, इस बात को इस तथ्य से समझा जा सकता है कि उन्होंने बीते 97 दिनों में 23 दिन दक्षिणी राज्यों में बिताए हैं।

चिंतन-मनन

प्रार्थना की पुकार

यदि प्रार्थना सच्ची हो तो परमपिता परमेश्वर उस प्रार्थना को जरूर ही सुनते हैं। परमपिता परमेश्वर अत्यंत कृपालु और दयालु हैं, परंतु प्रार्थना के लिए भी हृदय का पवित्र और निर्मल होना अत्यंत आवश्यक है। मन का पवित्र होना, अहंकार और अभिमान से रहित होना नितांत आवश्यक है। ऐसे पवित्र-हृदय-अंतः करण से उत्पन्न हुए भाव ही प्रार्थना हैं। हृदय की पवित्रता का अर्थ है अपने आपको सांसारिक तुच्छ विषय-वासनाओं की आसक्तियों से मुक्त कर लेना। सब तरह की आसक्ति से रहित होना ही हृदय की पवित्रता है। किसी तपस्वी ने ठीक ही कहा है- सच्चे-वास्तविक जीवन को पाने की आकांक्षा उत्पन्न होना ही प्रार्थना है। हमारे भीतर हृदय में जिसकी खोज होगी, भीतर जिस चीज को पाने की प्यास होगी- तो, ही हम उस दिशा में जा सकेंगे। प्रार्थना होती है आत्म बोध से। आत्मबोध में ही परमार्थ की प्यास जगती है और तुच्छ स्वार्थों का परित्याग होता है।

प्रार्थना है- परिपूर्ण समर्पण, अपने अहंकार के बोझ को अपने सिर से उतार फेंकना और उसके पावन चरणों में अपना सिर झुका देना। जो प्रभु की कृपाएं और उनका अनुग्रह चाहता है उसे चाहिए कि वह किसी से भी किसी तरह का वैर-विरोध न करे। वह सत्य बोले, वह असत्य, छल-कपट, निंदा-चोरी आदि से हमेशा दूर रहे। अपनी इंद्रियों पर हमेशा संयम रखे, किसी भी प्रकार का लोलुप-लालची न हो। वह कभी अहंकार अभिमान न करे, शत्रु-द्वेष को छोडकर मन को शुद्ध पवित्र रखें। प्रार्थना की शक्ति बहुत ही अद्भुत है। वह भगवान को भक्त का उद्धार करने के लिए अवश्य ही बाध्य कर देती है, परंतु प्रार्थना सच्ची हो, हृदय से हो। भगवान ने प्रार्थना मीरा की सुनी, बुद्ध की सुनी, उन सबकी सुनी जिन्होंने परहित के लिए उन्हें याद किया। वह हर मानव मन में चल रहे भाव-कुभाव को अच्छी तरह से जानते हैं। अतः उसके समक्ष जब भी जाएं, शुद्ध भाव रखें।

क्या सभी पार्टियों को मिल रहा है चुनाव के लिए समान अवसर?

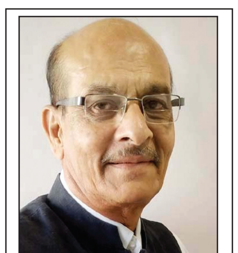

सनत जैन

भारत में लोकसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। पहले चरण की अधिसूचना जारी हो गई है। उम्मीदवारों द्वारा नामांकन भरने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। भारत में क्या लोकसभा के निष्पक्ष चुनाव हो रहे हैं। सभी राजनीतिक दलों को समान अवसर प्राप्त हो रहे हैं। इसको लेकर अब तरह-तरह की चचाएं होने लगी हैं। सत्ता पक्ष के पास पर्याप्त धन है। सत्ता पक्ष का मीडिया में स्पष्ट प्रभाव है। सीबीआई और ईडी के अधिकारी विपक्षी दलों के नेताओं को अपने निशाने पर ले रहे हैं। विपक्षी दलों के नेताओं को कई महीनो और सालों से जेल में बंद रखा जा रहा है। चुनाव के दौरान विपक्षी दलों के नेताओं को गिरफ्तार किया जा रहा है। कांग्रेस पार्टी का बैंक खाता सील कर दिया गया है। न्यायालय में भी तारीख पर तारीख का फायदा सत्ताधारी दल को मिल रहा है। जिसके कारण चुनाव की निष्पक्षता और समान अवसर को लेकर राजनीतिक दलों के साथ-साथ मतदाताओं में भी लोकतंत्र को लेकर चिंता दिखने लगी है। भारतीय मतदाताओं ने पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन सेशन के समय का चुनाव देखा है। उन्होंने निष्पक्ष चुनाव के लिये मीडिया को भी नियंत्रित किया था। मीडिया में सभी राजनीतिक दलों को समान अवसर प्राप्त हो। इसका पूरा-पूरा ध्यान रखा था। चुनाव के दौरान पैसा देकर मीडिया को मैनेज करने पर उनके द्वारा पूर्णता रोक लगा दी गई थी। मीडिया की सतत निगरानी चुनाव आयोग द्वारा की जाती थी। चुनाव आयोग को की गई शिकायतों का त्वरित रूप से निराकरण होता था। बिना किसी भेदभाव के चुनाव आयोग तुरंत कार्रवाई करता था। मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन सेशन द्वारा चुनाव कार्य में लगे हुए अधिकारी यदि कोई लापरवाही अथवा चुनाव में किसी को फेवर करते हुए सरकारी कर्मचारी की भूमिका को देखते थे, तो उसे निलंबित करने की कार्रवाई करने में उन्होंने कोई चूक नहीं की। जिसके कारण सरकारी अमला भी निष्पक्षता से चुनाव कराने में निष्पक्ष भूमिका में रहता था। चुनाव की अधिसूचना जारी होने के बाद मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन सेशन, सरकार से बात करने के स्थान पर अधिकारियों से सीधा संपर्क रखते थे। उन्हें चुनाव कार्य के लिए निर्देश देते थे। भारत के चुनाव आयोग में टीएन सेशन ही एक ऐसे चुनाव आयुक्त हुए हैं, जिन्होंने पूरी निष्पक्षता के साथ चुनाव कराए हैं। पिछले एक दशक में चुनाव आयोग जिस तरीके से सरकार के ऊपर निर्भरता रखकर चुनाव कराता है। सरकार के दबाव में चुनाव आयोग निर्णय करता है। उससे चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठना शुरू हो गए हैं। पिछले कुछ वर्षों में चुनाव आयोग का मीडिया के ऊपर भी कोई नियंत्रण नहीं रहा। मीडिया एक पार्टी विशेष के पक्ष में वही दिखा रहा है, जो सत्तारुड़ दल को फायदा करता हो। विपक्ष को मीडिया में स्थान ही नहीं मिल रहा है। मीडिया में अब समाचार की जगह सत्ता पक्ष को फायदा पहुंचाने वाले कार्यक्रम सुनियोजित रूप से चलाए जा रहे हैं। चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन मीडिया द्वारा किया जा रहा है। सात चरणों में लोकसभा के चुनाव होने जा रहे हैं। 24 घंटे पहले चुनाव प्रचार बंद कर दिए जाने का नियम है, लेकिन इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के द्वारा लगातार चुनाव प्रचार किया जाता है। जिसके कारण 24 घंटे पहले चुनाव प्रचार बंद करना या उस क्षेत्र के मतदाताओं को प्रभावित करने के सारे नियम निष्प्रभावी हो रहे हैं। चुनाव आयोग इस पर पूरी तरह से मौन है। आर्थिक दृष्टि से विपक्षी दलों को कमजोर करने का प्रयास सरकार द्वारा किया जा रहा है। 2017 में जब यूपी के चुनाव होने थे, 1000 और 500 रुपए के नोट तत्काल प्रभाव से बंद कर दिए गए थे। जिसका असर उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव और 2019 के लोकसभा चुनाव में देखने को मिला। चुनाव बांड का मामला भी अब खुलकर सामने आ गया है। इसका सबसे बड़ा फायदा सत्तारूढ़ दल को हुआ है। बीआरएस लेने वाले अधिकारी को चुनाव आयुक्त बनाया जा रहा है। हाई कोर्ट में जो जज क्षेत्रीय राजनीतिक दल के खिलाफ लगातार निर्णय दे रहा था। वह समय पूर्व इस्तीफा देकर भाजपा की टिकट पर यदि चुनाव लड़ता है, जिनके यहां ईडी और सीबीआई ने छापे डाले। उन्होंने छापे के बाद चुनावी बांड खरीद कर चंदा दिया। यह सब मामले खुलकर सामने आ रहे हैं। केंद्रीय जांच एजेंसियों और संवैधानिक संस्थाओं के साथ-साथ अब न्यायपालिका भी इसमें शामिल होती हुई दिख रही है। ऐसी स्थिति में लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुकूल निष्पक्ष चुनाव होंगे? सभी राजनीतिक दलों को संविधान प्रदत्त अधिकारों के तहत समान अवसर मिलना चाहिए। अब तो सोशल मीडिया मे भी फैक्ट चेक के आधार पर सोशल मीडिया का अकाउंट बंद करने और आपराधिक मुकदमा चलाकर गोदी मीडिया के मुकाबले में जो सोशल मीडिया खड़ा हो रहा था। उस पर भी सेंसरशिप सरकार द्वारा लगा दी गई है। हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में सरकार के खिलाफ कोई फैसला नहीं होते हैं। सरकार को जहां दिक्कित हो सकती है, ऐसे मामलों को लंबे समय तक के लिये टाल दिया जाता है। जिसके कारण जिसकी लाठी, उसकी भैंस जैसी स्थिति चुनावों में भी देखने को मिलने लगी है। हाल ही में दो चुनाव आयुक्त की नियुक्ति हुई है। सुप्रीम कोर्ट में मामला लंबित था। 15 मार्च को उसकी सुनवाई होनी थी। सरकार ने 14 मार्च को ही दो चुनाव आयुक्त नियुक्त कर दिए। ऐसी स्थिति में जब चुनाव आयोग पर ही विश्वास नहीं रहेगा, तो कैसे निष्पक्ष चुनाव हो सकते हैं। वर्तमान स्थिति में बार-बार पूर्व दिवंगत मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन सेशन के कार्यकाल को याद किया जा रहा है। चुनाव आयोग की जो परंपराएं उनके द्वारा बनाई गई थी। पिछले 10 वर्षों में वह पूरी तरीके से समाप्त हो गई हैं। अब लोगों के मन में भी यह विश्वास बनने लगा है, कि चुनाव निष्पक्ष नहीं हो रहे हैं। हाल ही में ईवीएम और बीवी पेट को लेकर बड़े आंदोलन शुरू हुए हैं। चुनाव आयोग द्वारा इस मामले में मौन साध रखा है। सुप्रीम कोर्ट ने भी याचिकाओं की सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। इससे लोगों के मन में निष्पक्ष चुनाव को लेकर शंका उठना स्वाभाविक है। समय रहते निराकरण करने के लिये न्यायपालिका की भूमिका बड़ी महत्वपूर्ण है। संविधान और लोकतंत्र की रक्षा करने का दायित्व भी संविधान ने न्यायपालिका को दिया है। वित्तीय आधार पर चुनाव को प्रभावित करने का जो नया खेल शुरू हुआ है।

रंगमंच : दम तोड़ रही हैं कठपुतलियां

देवेन्द्रराज सुथार

हर साल 21 मार्च को विश्व कठपुतली दिवस मनाया जाता है। आज तकनीकी विकास के बदलते दौर में दिल बहलाने के साधनों में अपार वृद्धि के कारण कठपुतली की लोक कला लुप्त होने के कगार पर है। यह लोक कला लोक-शिक्षण, सामाजिक सरोकार, ऐतिहासिक घटना, प्रसंग और भाईचारे की संदेशवाहक होने के साथ ही लोगों में जागृति लाने का सशक्त माध्यम भी रही है। कठपुतली कला द्वारा महिला शिक्षा, प्रौढ़ शिक्षा, परिवार नियोजन जैसे सम-सामयिक विषयों पर आधारित कार्यक्रमों ने लोगों की गलत धारणाओं को बदल कर उन्हें सही दिशा एवं मार्गदर्शन देने का काम किया है। लेकिन कद्रदानों की कमी और सरकारी संरक्षण के अभाव में यह कला अब दम तोड़ रही है। कठपुतली कलाकारों के जीविकोपार्जन का संकट गहराने लगा है। वस्तुतः कठपुतली कलाकार अपना पुश्तैनी धंधा छोड़कर अन्य कामकाज करने लगे हैं।

भले ही देश में इस कला के चाहने वालों की तादाद लगातार घट रही है, लेकिन विदेशियों में यह कला काफी लोकप्रिय है। आज यह कला चीन, रूस, रोमानिया, इंग्लैंड, चेक गणराज्य, स्लोवाकिया, अमेरिका, जापान जैसे उन्नत देशों में भी पहुंच चुकी है। पर्यटक सजावटी चीजों, स्मृति और उपहार के रूप में कठपुतलियां भी भारत से ले जाते हैं। मगर बेची जाने वाली कठपुतलियों का फायदा बड़े-बड़े शोरूम के विक्रेता ही उठाते हैं। बिचौलिये भी माल को इधर से उधर करके चांदी कूट रहे हैं, जबकि इन्हें बनाने वाले कलाकर दो जून की रोटी को भी मोहताज हैं। समय के साथ इस कला के प्रदर्शन में भी काफी बदलाव आया है। अब यह खेल गली-कूचों और चौपालों पर न होकर फ्लड लाइट की रोशनी में बड़े-बड़े मंचों पर आयोजित किया जाने लगा है।

कठपुतली शब्द संस्कृत भाषा के 'पुत्तलिका' या 'पुत्तिका' और लैटिन के 'प्यूपा' से मिल कर बना है, जिसका अर्थ है छोटी गुड़िया। सदियों पहले कठपुतली का जन्म भारत में हुआ था। कठपुतली के इतिहास के बारे में कहा जाता है कि ईसा पूर्व चौथी शताब्दी में महाकवि पाणिनी के अष्टाध्यायी ग्रंथ में पुतला नाटक का उल्लेख मिलता है। उज्जैन नगरी के राजा विक्रमादित्य के सिंहासन में जड़ित 32 पुतलियों का उल्लेख 'सिंहासन बत्तीसी' नामक कथा में भी मिलता है। शुरू में इनका इस्तेमाल प्राचीनकाल के राजा-महाराजाओं की कथाओं, धार्मिक, पौराणिक व्याख्यानों और राजनीतिक व्यंग्यों को प्रस्तुत करने के लिए किया जाता था। आम तौर पर इन कठपुतलियों का सिर लकड़ी या पेपरमेशी का होता है, उसी के हिसाब से उनका धड़ होता है।

इनके हाथ-पैर लकड़ी के या कपड़े में रुई भर कर बनाए जाते हैं। इनके हर अंग से एक पतली तथा लंबी डोरी बंधी होती है, जिसका अंतिम सिरा पुतली चालक कलाकारों के हाथ की उंगलियों से बंधा होता है। अपनी उंगलियों के जादू से ही ये कलाकार इस डोर को हिला कर कठपुतलियों को अपने इशारे पर नचाते हैं। अत्यंत चिंताजनक है कि प्राचीन धरोहर और संस्कृति का अभिन्न अंग मानी जाने वाली कठपुतली कला का जादुई संसार सरकारी संरक्षण व प्रोत्साहन के अभाव में सिमटता जा रहा है। महानगरों में रहने वाले अधिकांश बच्चों और युवाओं को कठपुतली के खेल के बारे में जानकारी तक नहीं है। अभिभावकों के पास समय ही नहीं है कि बच्चों को अपने देश की सांस्कृतिक विरासत एवं ऐतिहासिक धरोहर और लोक कलाओं से परिचित करवाएं। मोबाइल और कंप्यूटर से चिपके बच्चे भी संस्कृति, रीति-रिवाजों और त्योहारों में रु चि लेना नहीं चाहते। उनकी नवीन चीजों को जानने और समझने की प्रवृत्ति का इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से हर समय चिपके रहने के कारण दिन प्रति दिन ह्रास होता जा रहा है।

अलबत्ता, सकारात्मक बात यह है कि विषम परिस्थितियों में भी कठपुतली कला को समर्पित कलाकारों ने उत्साह नहीं खोया है। इन्हें उम्मीद है कि आज न सही तो कल लोक कलाओं को समाज में इनकी खोयी हुई जगह फिर से मिल जाएगी। सवाल है कि जब विदेशी पर्यटक हमारी लोक कलाओं को देखने, जानने और समझने में रुचि दिखा रहे हैं तो हम क्यों उनसे मुंह मोड़ रहे हैं। आवश्यक है कि लुप्त होती इस कला के प्रति सरकार संजीदा होकर शीघ्र संरक्षण के लिए प्रयास करे।

स्कूलों और कॉलेजों में यह खेल दिखा कर युवा पीढ़ी का ध्यान इस कला की ओर खींचा जा सकता है। गांव-कस्बों में धार्मिक आयोजनों और मेलों में इस कला का मंचन सरकारी स्तर पर करवा कर इस कला के रुचि पैदा की जा सकती है। किसी भी राष्ट्र की लोक कला और संस्कृति ही उसकी आत्मा होती है। लोक कला से ही लोकधर्मिता का भाव उत्पन्न होता है। जीवन ऊर्जा का महासागर है। जब अंतश्चेतना जागृत होती है तो ऊर्जा जीवन को कला के रूप में उभारती है। कला जीवन को सत्यम शिवम सुंदरम से समन्वित करती है। रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने भी कहा है कि कलाओं में मनुष्य अपने भावों की अभिव्यक्ति करता है। सो, इन्हें सहेजे रखना जरूरी है।

रोहिणी बोलीं-जनता के आदेश पर आई हूं छपरा से लड़ेंगी चुनाव

बिहार। लालू यादव की दो बेटियां लोकसभा चुनाव लड़ने जा रही हैं। अपनी एक किडनी डोनेट कर पिता को नई जिंदगी देने वाली रोहिणी आचार्य अब लालू की राजनीतिक विरासत संभालने के लिए तैयार हैं। सबकुछ ठीक रहा तो वह छपरा (सारण) से चुनाव मैदान में उतरेंगी। लालू की बड़ी बेटी मीसा भारती पाटलिपुत्र सीट पर फिर चुनाव लड़ेंगी। सिंगापुर में रहने वाली रोहिणी के चुनाव लड़ने के कयास कई दिनों से लगाए जा रहे थे, लेकिन अब लालू परिवार के सूत्रों ने दैनिक भास्कर से इसकी पुष्टि कर दी है। सूत्रों के मुताबिक, रोहिणी को पिछले एक महीने से छपरा, काराकाट, पश्चिमी चंपारण, मधेपुरा और पाटलिपुत्र जैसी सीटों से चुनाव लड़ने का ऑफर आया हुआ है। खुद लालू यादव बेटी को चुनाव लड़ाने के इच्छुक हैं और इसकी जानकारी रोहिणी आचार्य को भी दे दी गई है। रोहिणी भी चुनाव लड़ना चाहती हैं, लेकिन पारिवारिक मजबूरियों की वजह से वो पशोपेश में हैं। वह खुलकर कुछ कह नहीं पा रही हैं। इसको लेकर उनके पति और लालू परिवार में कई दौर की बात भी हो चुकी है। ससुराल से चुनाव लड़ने की हरी झंडी भी मिल चुकी है। हालांकि लालू यादव ने रोहिणी के लिए सीट अभी फाइनल नहीं की है, लेकिन रोहिणी छपरा सीट से चुनाव लड़ना चाहती हैं। छपरा लालू यादव की कर्म भूमि है और रोहिणी भी अपने राजनीतिक करियर की शुरूआत वहीं से करना चाहती हैं। हालांकि, सीट का फैसला लालू यादव करेंगे, लेकिन चुनाव लड़ने का अंतिम फैसला खुद रोहिणी को ही करना है। लालू-राबड़ी और तेजस्वी भी रोहिणी को चुनाव लड़ने के लिए हौसला बढ़ा रहे हैं। रोहिणी सिंगापुर में रहती हैं, लेकिन बिहार की राजनीति में सोशल मीडिया के जरिए लगातार बयान देती रहती हैं। उन्होंने भास्कर से बातचीत में कहा कि लोग राजनीति चुनते हैं, लेकिन राजनीति ने उन्हें चुना है। रोहिणी के पति समरेश सिंह सिंगापुर में ही जॉब करते हैं। चूंकि, रोहिणी के तीनों बच्चे अब बड़े हो गए हैं, इसलिए उनका मानना है कि अब वो चुनावी राजनीति में कदम रख सकती हैं। छपरा लालू यादव की पारंपरिक सीट रही है, लालू यादव भी इसे सेफ मानते हैं। हालांकि पिछले 2 चुनावों में लालू परिवार को यहां हार का सामना करना पड़ा है। इधर, लालू यादव की सबसे बड़ी बेटी और राज्यसभा सांसद मीसा भारती ने पाटलिपुत्र सीट पर दावा ठोंक दिया है। पाटलिपुत्र सीट पर फ्रखऊ को मिल रही लगातार हार मिल रही है। इसको देखते हुए ये कयास लगाए जा रहे थे कि इस बार लालू यादव पाटलिपुत्र से रीतलाल यादव या भाई वीरेंद्र को टिकट दे सकते हैं। दोनों ही फिलहाल फ्रखऊ से विधायक हैं। गुरुवार को लालू यादव से मिलकर राबड़ी आवास से निकले रीतलाल यादव ने पाटलिपुत्र से चुनाव लड़ने की उनकी इच्छा के सवाल पर मीडिया से कहा- 'हम नहीं चाह रहे हैं, राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू यादव चाह रहे हैं कि हम पाटलिपुत्र क्षेत्र से चुनाव जीतें। जैसा वो सोचेंगे, उसी हिसाब से हम लोगों को चलना है।' यानी रीतलाल यादव दावा कर रहे हैं कि उन्हें लालू यादव की तरफ से पाटलिपुत्र सीट के लिए हरी झंडी मिल गई है, लेकिन इससे इतर मीसा भारती पाटलिपुत्र से अपना दावा ठोंक रही हैं। मीसा से जुड़े करीबी सूत्रों ने दैनिक भास्कर से बात करते हुए जोर देते हुए कहा कि वो चुनाव लड़ेंगी और पाटलिपुत्र सीट से ही लड़ेंगी। मीसा इससे पहले भी 2014 और 2019 में पाटलिपुत्र सीट से फ्रखऊ के टिकट पर चुनाव लड़ चुकी हैं, लेकिन दोनों ही बार उन्हें इखढ के रामकृपाल यादव से हार का सामना करना पड़ा था।

संक्षिप्त डायरी

पवन सिंह का तलाक होगा या सुलह हो जाएगी 13 मार्च की सुनवाई में नहीं आए थे

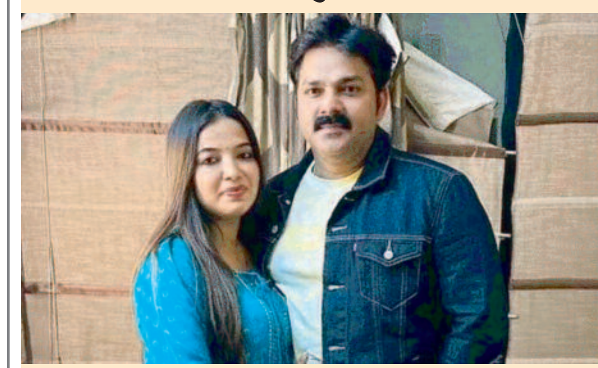

बिहार। भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह और उनकी पत्नी के तलाक मामले की सुनवाई आज कोर्ट में होनी है। 13 मार्च को कोर्ट में सुनवाई के दौरान दोनों उपस्थित नहीं हुए थे। इसके बाद कोर्ट ने 22 मार्च को अगली तारीख रखी थी। मामले में ज्योति सिंह के वकील विष्णुधर पांडेय ने बताया कि आज पवन सिंह और ज्योति सिंह तलाक मामले की सुनवाई होनी है। वकील विष्णुधर पांडेय ने बताया कि अगर वो लोग आ जाते है और मिल जाते है तो लिखा पढ़ी करके कोर्ट में डाल दिया जाएगा। अगर नहीं आते है तो केस में दोबारा डेट पड़ेगी। एंटी मेंटेनेंस ऑर्डर के लिए दोनों मिल गये। दोनों नजदीक आ गये। अभी तक हम लोग को यहीं पता चला है। ज्योति सिंह से अभी तक हमारी बात नहीं हुई है। संभावना है कि दोनों आज कोर्ट में पेश हो जाएं।

दोनों पक्षों के बीच चली जमकर लाठी डंडे

भागलपुर। के सुलतानगंज थाना क्षेत्र के मसदी पंचायत के शिवनंदनपुर गांव में देर रात हुई तेज बारिश का पानी जाने से दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। घटना में एक पक्ष से तीन लोग गंभीर रूप से घायल है जिसे प्राथमिक उपचार के लिए सुल्तानगंज रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायल महिला की स्थिति गंभीर को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल(मायागंज) रेफर कर दिया। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि बीती रात हुई बारिश से जमा पानी दूसरे पक्ष के घर की ओर चला गया। इसके बाद दोनों के बीच कहासुनी हुई और मामला मारपीट में तब्दील हो गया। हालांकि, पूरे घटना क्रम में एक पक्ष से तीन लोग गंभीर रूप से घायल है। जबकि दूसरे पक्ष के दो लोगों को आंशिक रूप से चोट लगी है। घायल विमल यादव ने बताया कि पड़ोस के घर में बारिश का पानी चले जाने पर दूसरे पक्ष के अमित यादव, विनोद यादव, वकील यादव निर्मला देवी के द्वारा गाली गलौज करने लगा। इसके बाद हम लोगों ने इसका विरोध किया तो लाठी-डंडे से मारपीट करना शुरू कर दिया। जिसमें मां, पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। वहीं, दूसरे पक्ष के अमित यादव ने बताया कि बारिश के जमा पानी विमल यादव के द्वारा मेरे घर के तरफ निकल रहा था। जिससे आने-जाने में हम लोगों को परेशानियों हो रही थी, जब इसे मना किया तो यह लोग नहीं माने जबरदस्ती मेरे घर के तरफ निकाल दिया और गाली गलौज करने लगा। इधर, घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने देर रात प्राथमिक की दर्ज करते हुए आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

सैकड़ों छात्र-छात्राएं और पदाधिकारी समाजसेवी हुए शामिल वोट देने के लिए किया जागरूक

बिहार। दिवस के अवसर पर आज कैमूर डीएम सावन कुमार के नेतृत्व में समाहरणालय भभुआ से जगजीवन मैदान भभुआ तक जागरूकता रैली निकाली गई। इस रैली में स्कूल के बच्चे-बच्चियों के साथ युवा समाजसेवी ग्रामीण और जिले के सभी विभागों के पदाधिकारी मौजूद थे। इस रैली में कई नारे लगाए जा रहे थे जैसे वोट हमारा है अधिकार इसको करें न बेकार, पहले मतदान फिर जलपान। सभी लोगों को शपथ भी दिलाया गया कि मतदान के दिन निर्भीक और निष्पक्ष होकर मतदान करेंगे और दूसरों को भी मतदान करने के लिए प्रेरित करेंगे। छात्रा मंजू कुमारी ने बताया कि बिहार दिवस के अवसर पर लोगों को मतदान करने के लिए प्रेरित करने के लिए रैली निकाली है। आप लोग वोट दें, किसी भी लालच में न पड़ें। निष्पक्ष मतदान करें यही संदेश हम लोग दे रहे हैं। यह रैली जिला प्रशासन की तरफ से जागरूकता रैली निकाली गई है। कैमूर डीएम सावन कुमार ने बताया कि बिहार दिवस के शुभ अवसर पर आज मतदान जागरूकता रैली निकाली गई है। सासाराम लोकसभा में एक जून को मतदान होना है, उसी को लेकर जागरूकता रैली कलेक्ट्रेट भभुआ से जग जीवन मैदान भभुआ तक निकाली है। पूरे रास्ते में मतदान को लेकर जागरूक किया गया है। इसके माध्यम से अपील की जा रही है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में हमारे जो मतदाता बंधु हैं। आप 1 जून को मतदान केंद्र पर जाइए और अपने इस देश के नव निर्माण के लोकतंत्र में वोट डालकर अपना मतदान देकर राष्ट्र निर्माण में सहयोग करें। कैमूर जिला में 15000 से ज्यादा नए मतदाता को जोड़ा गया है, उनसे भी अपील होगा जिस तरह से आप लोग फेसबुक इंस्टाग्राम चलाने में लगातार फोटो अपलोड करने में लगे हैं, आप भी वोट डालकर अपना फोटो अपलोड करिए जो बेस्ट होंगे उनको प्राइस भी हम लोग देंगे। इसके साथ ही युवा अपने दोस्तों को प्रेरित करें।

रामनगर में मनाया गया शहादत दिवस

बगहा। के रामनगर में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। यह कार्यक्रम गुरुवार की रात रामनगर संस्कृत स्कूल परिसर में क्रांतिकारी और वीर सपूतों की शहादत दिवस के उपलक्ष में शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के नाम आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि नगर सभापति गीता देवी, उपसभापति श्वेता सिंह आदि ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान स्कूली बच्चों द्वारा सांस्कृतिक और देश भक्ति कार्यक्रम की प्रस्तुति की गई। इसकी लोगों ने काफी सराहना की है। साथ ही भक्ति संगीत और देशभक्ति गीतों पर बच्चों ने नृत्य प्रस्तुत किया। वहीं, तीनों शहीदों के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया गया। डॉक्टर किरण शंकर झा ने बताया कि भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव भारत के वे सच्चे सपूत थे, जिन्होंने अपनी देशभक्ति और देशप्रेम को अपने प्राणों से भी अधिक महत्व दिया और मातृभूमि के लिए प्राण न्यौछावर कर गए। देश के लिए लड़ते हुए अपने प्राणों को हंसते-हंसते न्यौछावर करने वाले तीन वीर सपूतों का शहीद दिवस है। यह दिवस न केवल देश के प्रति सम्मान और हिंदुस्तानी होने का गौरव का अनुभव कराता है, बल्कि वीर सपूतों के बलिदान को भीगे मन से श्रद्धांजलि देता है। उन अमर क्रांतिकारियों के बारे में आम मनुष्य की वैचारिक टिप्पणी का कोई अर्थ नहीं है। भगत सिंह ने अपने कम उम्र में वैचारिक क्रांति की जो मशाल जलाई, उसे हमेशा याद किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान दिल जीत लिया। विश्वजीत सराफ आदि ने बढ़कर हिस्सा लिया। साथ ही इस कार्यक्रम के दौरान शिक्षक दिनेश शुक्ला, डॉक्टर गौरव झा, समाजसेवी विजय कुमार गुप्ता, प्रेमा रानी सहित कई अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सुपौल में कोसी नदी पर बने रहे पुल का गार्डर गिरा

सुपौल। में कोसी नदी पर बन रहे पुल का गार्डर गिर गया। हादसे में कई मजदूर दब गए। इसमें से एक मजदूर की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। स्थानीय लोगों ने घायल सात मजदूरों को अस्पताल में भर्ती करवाया। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है। बताया जा रहा है कि सुपौल के बकोर और मधुबनी जिले के बीच यह पुल बन रहा है। सुबह सात बजे अचानक पुल के पिलर नंबर 50, 51 और 52 के गार्डर भरभरा कर गिर गए। इधर, स्थानीय लोगों का कहना है कि गार्डर के नीचे करीब 15 मजदूरों के दबने की आशंका है। इनमें से आठ लोगों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। उनका कहना है कि हमलोगों ने कहा था कि पुल की गुणवत्ता में काफी कमी है। हमलोगों ने इसका विरोध भी किया। लेकिन, पुल निर्माण कंपनी ने ध्यान नहीं दिया। वहीं सुपौल के डीएम कौशल कुमार ने कहा कि भेजा-बकौर के बीच मरीचा के पास एक निर्माणाधीन पुल का एक हिस्सा गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और नौ घायल हो गए। मामले की जांच चल रही है। निर्माण कार्य में लगी कंपनी से संपर्क किया जा रहा है। आगे की कार्रवाई चल रही है। केंद्र सरकार के महत्वपूर्ण भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत देश के सबसे लंबे पुल का निर्माण हो रहा है।बाद कंपनी के अधिकारी और इंजीनियर मौके पर नहीं आए।

नकली कीटनाशक के साथ पिता-बेटा गिरफ्तार छिड़काव के बाद बंजर की गई थी शिकायत

पूर्णिया। में पिछले 6 महीने से धड़ल्ले से डुप्लीकेट कीटनाशक बनाने का कारोबार चल रहा था। एक मकान में अवैध रूप से कीटनाशक दवाई तैयार किया जाता और फिर मनमाना कीमतों पर उसे बेच दिया जाता था। इसके छिड़काव से ही खेतों के बंजर होने की शिकायत आ रही थी। सहायक निदेशक पौधा संरक्षक और मुफस्सिल थाना की पुलिस ने संयुक्त छापमारी करते हुए एक मकान से डुप्लीकेट कीटनाशक की पैक्ड बोतल, खाली बोतल, रैपर और ढक्कन बरामद किया है। पुलिस ने डुप्लीकेट कीटनाशक दवाई के काले कारोबार में शामिल पिता और बेटे को गिरफ्तार किया है। पूरा मामला मुफस्सिल थाना क्षेत्र की है। ज्वाइंट रेड में पुलिस के हत्थे चढ़े आरोपियों की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रानीपतरा बाजार स्थित स्टेशन रोड निवासी टुनटुन साह(42) और उनके बेटे किशन कुमार साह (15) के रूप में की गई है। घटना की जानकारी देते हुए सहायक निदेशक पौधा संरक्षण के जय किशन कुमार ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि पिछले 6 महीने से रानीपतरा बाजार स्टेशन रोड स्थित एक मकान में अवैध रूप से डुप्लीकेट कीटनाशक दवाई का तैयार किए जाने का कारोबार चल रहा है। मिली गुप्त सूचना पर एक विशेष टीम गठित कर छापमारी की गई। छापमारी के क्रम में टुनटुन साह के घर से कीटनाशक की खाली बोतल 1330, पैक्ड बयोविटा कंपनी का डुप्लीकेट बोतल 523 पीस, पैक्ड नॉमिनी गोल्ड कंपनी का 90 पीस, डुप्लीकेट रैपर 13 हजार पीस, बोतल में लगने वाला ढक्कन 400 पीस बरामद किया। छापेमारी दल की टीम बरामद खेप को जब्त कर लिया है। बरामद डुप्लीकेट कीटनाशक के संबंध में कंपनी के शिकायत मिल रही थी। जिसके बाद जिला कृषि पदाधिकारी ने एक टीम गठित किया। टीम के सदस्य और मुफस्सिल थाना के सहयोग से छापमारी की गई। इस रेड में टुनटुन साह के शख्स के घर से तैयार की गई है। किशन कुमार को गिरफ्तार किया गया है।

किसान-पुलिस में हुई थी झड़प धारा 144 का उल्लंघन और फायरिंग का लगाया है आरोप

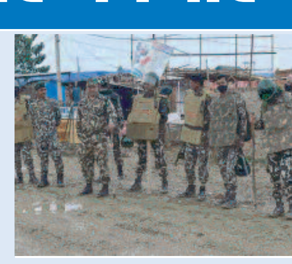

बिहार। चौसा पावर प्लांट के पास पुलिस और किसान में हुई झड़प के बाद पुलिस ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रही है। धरना स्थल और गांव से मारते पीटते 27 लोगों को गिरफ्तार कर कोर्ट में प्रस्तुत करने का काम किया गया है। पुलिस ने इस झड़प और गांव में घुस ग्रामीणों को मारने और पीटने, घरों के सामान को तोड़फोड़ करने के बाद 50 लोगों पर नामजद और 200 लोगों पर एफआईआर कर आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है। पुलिस ने अब तक पांच महिलाओं समेत 27 लोगों को गिरफ्तार करने की बात कही है। सभी लोगों के मेडिकल जांच के बाद पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है। पुलिस द्वारा जानलेवा हमला, 144 धारा का उल्लंघन फायरिंग आदि का आरोप लगाया गया है।बता दें कि बुधवार की सुबह सदर एसडीपीओ धीरज कुमार के नेतृत्व में एक पुलिस टीम विभिन्न मांगों को लेकर धरना दे रहे किसानों को आदर्श आचार संहिता के कारण हटाने के लिए पहुंचे थे। इस दौरान पुलिस और धरना दे रहे किसानों के बीच झड़प हो गई। कहा जा रहा कि किसानों के बीच बैठे कुछ असामाजिक तत्वों ने पुलिस पर पथराव और फायरिंग की। हालांकि जिला प्रशासन और किसानों के बीच इस झड़प में 20 पुलिसकर्मी तो 200 से अधिक किसान जख्मी हैं। पुलिस ने गांव में जमकर तांडव मचाया। पुलिस ने ग्रामीणों को जमकर पीटा। कई लोगों को गिरफ्तार भी किया जिसका प्रमाण के रूप में कई वीडियो भी सामने आ रहे हैं। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक राज को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार लोग कैसे हैं और कहां हैं, इसे जानने के लिए उनके परिजन पूरी रात परेशान रहे। एक ग्रामीण ने बताया कि कई लोग पुलिस के मार से जख्मी भी हुए थे, जिन्हें पुलिस अपने साथ ले गई थी। परिजन परेशान रहे।

दूसरे दिन भी पटना का 5 डिग्री गिरा पारा वैशाली रहा सबसे गर्म

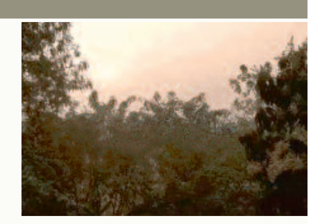

बिहार। के सभी जिलों में आज से अगले पांच दिनों तक मौसम सामान्य बना रहेगा है। राजधानी और आसपास के इलाकों में बीते तीन दिनों से हो रही रुक रुक कर हो रही वर्षा पर गुरुवार को विराम लग गया। पटना व आसपास इलाकों में गुरुवार को आंशिक बादल छाए रहे। वहीं उत्तरी भागों के कुछ स्थानों पर मेघ गर्जन के साथ हल्की वर्षा दर्ज की गई। मौसम में हुए बदलाव के कारण इसका प्रभाव प्रदेश के तापमान पर भी पड़ा है। दूसरे दिन भी पटना के अधिकतम तापमान में सामान्य से 5 डिग्री गिरावट के साथ यह 25.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं 28.9 डिग्री सेल्सियस के साथ वैशाली में सर्वाधिक अधिकतम तापमान दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अगले पांच दिन तक मौसम में विशेष परिवर्तन नहीं होगा। पिछले कुछ दिनों से बिहार के अधिकतर जिलों में बारिश होने से किसानों की परेशानी बढ़ गई है। बे मौसम बारिश होने से जहां उन्हें झेलना पड़ सकता है।

तीन दोस्त बाइक से घटना को देने जा रहे थे अंजाम

भोजपुर। पुलिस ने बड़ी आपराधिक वारदात को अंजाम देने जा रहे एक बदमाश को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। इसके पास से एक देसी पिस्टल और एक अपाचे बाइक बरामद हुआ है। पकड़ा गया बदमाश बड़हरा थाना क्षेत्र के पड़रिया गांव निवासी अजय सिंह उर्फ छोटेलाल सिंह है। पुलिस ने इसे बड़हरा थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़हरा तीन मुहान के पास से गिरफ्तार किया है। इधर, पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार ने बताया कि इसे लेकर आर्म्स एक्ट के तहत 3 के विरुद्ध प्राथमिक की की गई है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि बड़हरा तीन मुहान के पास एक बाइक पर सवार तीन बदमाश अवैध हथियार लिए हुए किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने जा रहे हैं। अपराधियों गिरफ्तारी के लिए बड़हरा थानाध्यक्ष संजय कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। छापामारी के दौरान बाइक से बार अपराधी पुलिस को देखकर भागने लगे, इसके बाद पुलिस ने खदेड़कर बदमाशों में से एक अजय सिंह को गिरफ्तार किया। जबकि दो साथी भाग निकलने में सफल हो गए हैं। जल्द ही दोनों की भी गिरफ्तारी कर ली जाएगी। एसपी प्रमोद कुमार ने बताया कि वंचित आरोपितों की गिरफ्तारी एवं शराब बरामदगी को किया गया है। पुलिस की हत्या चढ़े है।

मिलन समारोह में प्रदेश अध्यक्ष नहीं दिखे कभी विरोध करने पर बिहार प्रभारी हटाए गए थे

बिहार। पप्पू यादव अपनी पार्टी जाप के साथ कांग्रेस में शामिल हो गए। इससे बिहार कांग्रेस में उफान दिख रहा है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह समेत कई कांग्रेसी नाराज हैं। अखिलेश की तो नाराजगी ऐसी थी कि वह दिल्ली में आयोजित विलय कार्यक्रम में शामिल ही नहीं हुए। ना ही इस पर कुछ बोलना जरूरी समझा। पटना में मीडिया से किनारा करते दिखे। पप्पू यादव को पता था कि अखिलेश नहीं चाहते कि वे कांग्रेस में आएं। इसलिए पप्पू यादव ने अखिलेश का नाम नहीं लिया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व बिहार प्रदेश अध्यक्ष अनिल शर्मा ने बुधवार और गुरुवार को दोनों दिन सोशल मीडिया पर

अपनी तीखी नाराजगी जाहिर की। पप्पू यादव एक एंग्रेसिव यादव नेता हैं। उनके आने से बिहार कांग्रेस के नेताओं में डर भी है। कभी पप्पू यादव की एंट्री के सवाल पर ही कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और बिहार प्रदेश प्रभारी हटाए गए थे। कांग्रेस में खटपट पर राजनीतिक विश्लेषक प्रवीण बागी कहते हैं कि पप्पू यादव ने लालू प्रसाद के प्रतिनिधि के तौर पर कांग्रेस जॉइन किया। कांग्रेस में शामिल होने के पहले पप्पू यादव, लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव से मिले। लालू प्रसाद के लाइन अप के बाद ही वे कांग्रेस में गए। कांग्रेस नेतृत्व या पप्पू यादव को अखिलेश से बात करनी चाहिए थी। इसका असर चुनाव में दिखेगा और कांग्रेस में गुटबाजी होगी। हालांकि पूर्णिया में कांग्रेस में असर होगा, पर पप्पू के खिलाफ वाले कांग्रेसी घर बैठ जाएंगे। कांग्रेस उलझन में थी। लालू प्रसाद के दबाव में आ गई पार्टी। लालू प्रसाद ने पप्पू यादव को आरजेडी में शामिल नहीं करवाया, कांग्रेस में शामिल करवा दिया। प्रवीण बागी आगे कहते हैं कि बिहार कांग्रेस के सुपर बॉस लालू प्रसाद आज से नहीं बल्कि पिछले 20 वर्षों से हैं। वही प्रदेश अध्यक्ष बनवाते हैं, सीटें तय करते हैं। एक बार सोनिया गांधी ने रिश्ता तोड़ लिया था, लेकिन कोई रास्ता नहीं दिखा तो साथ आए। सांसदों की विधायकी वाले बिल को राहुल गांधी ने फाड़ दिया था। लालू प्रसाद के प्रति ही वह गुस्सा था। मंत्रिमंडल ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को बदलने का फैसला भी ले लिया था। राहुल के नकारने की वजह से कानून सदन में नहीं बन सकता। नतीजा लालू को जैसे रांची सीबीआई कोर्ट से सजा हुई तो उनकी सांसदी चली गई। अब तो राहुल, लालू से मटन बनाने की रेसिपी सीख रहे हैं। बदला हुआ माहौल है। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अनिल शर्मा कहते हैं कि पप्पू यादव की पहचान किस रूप में है यह सभी लोग जानते हैं। सिर्फ एक क्षेत्र से राजनीति नहीं चलती। 2010 में जब जगदीश टाइटर बिहार कांग्रेस प्रभारी थे, उस समय पप्पू यादव को कांग्रेस में वे एंट्री करवाना चाहते थे, लेकिन मैंने विरोध कर दिया। काफी विवाद हुआ। इसके बाद मुझे बिहार कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष और जगदीश टाइटलर को बिहार कांग्रेस प्रभारी के पद से हटा दिया गया था। शीर्ष नेतृत्व को कार्यकर्ताओं सहित बिहार के वरिष्ठ नेताओं की जन भावना देखनी चाहिए थी। वे कहते हैं कि लालू प्रसाद कांग्रेस के पॉलिटिकल सहयोगी नहीं हैं, बल्कि बेसहारा रहे हैं।

ए राजा को बरी करने के खिलाफ सीबीआई की अपील पर सुनवाई करेगा कोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने 2जी स्पेक्ट्रम घोटाले के मामले में पूर्व दूरसंचार मंत्री ए. राजा, कुछ कंपनियों और अन्य को बरी किए जाने को चुनौती देने वाली सीबीआई की अपील को शुक्रवार को स्वीकार कर लिया। न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा ने कहा कि उपलब्ध सामग्री और विभिन्न पक्षों के वकीलों की दलीलों के आधार पर सीबीआई ने प्रथम दृष्टया एक मामला बनाया है जिसमें गहन अध्ययन की और अपीलों पर विस्तार से सुनवाई की जरूरत है। न्यायाधीश ने कहा कि अपील को मई माह में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाए। सीबीआई ने 2018 में अपील दायर की थी। इस पर न्यायाधीश ने 14 मार्च को अपना फैसला सुरक्षित रखा था। विशेष अदालत ने 21 दिसंबर, 2017 को राजा, द्रमुक सांसद कनिमोई और अन्य को 2जी घोटाले से जुड़े सीबीआई तथा ईडी के मामलों में बरी कर दिया था।

ईडी का काम केवल राजनीतिक तोड़–फोड़ करना ही रह गया : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर कहा कि पहले झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन और अब दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी केन्द्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग की पराकाष्ठा है। गहलोत ने केजरीवाल की गिरफ्तारी पर सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया में यह बात कही। उन्होंने कहा कि ऐसा देश में पहली बार देखा जा रहा है कि संवैधानिक पदों पर बैठे नेताओं को गिरफ्तार किया जा रहा है। उन्होंने लिखा कि क्या ईडी का काम केवल राजनीतिक तोड़–फोड़ करना ही रह गया है। यह लोकतंत्र की हत्या है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि भाजपा का हर नेता दिर रात 400 पार का शोर मचा रहा है। भाजपा को 200 सीटों का भी आत्मविश्वास नहीं इसलिए तो इस तरह के तानाशाही कदम उठाए जा रहे हैं।

नेपाल में बेचते थे दिल्ली से चुराए फोन

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की टीम ने चोरी और छीने गए 473 मोबाइल फोन के साथ पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें नेपाल मूल के नागरिक भी शामिल हैं। इस रैकेट के पकड़े जाने से दिल्ली एनसीआर में 91 अपराधिक मामले सुलझा लेने का दावा पुलिस ने किया गया है। पुलिस ने इनके पास से दो कारें भी जब्त की हैं।डीसीपी क्राइम ब्रांच अमित गोयल ने बताया आरोपियों की पहचान चंपावत उत्तराखंड निवासी पारस जोशी, नेपाल निवासी इंद्र बहादुर, मान सिंह, दिल्ली निवासी रविन्द्र मदान और सतीश के तौर पर हुई। आरोपियों के पास से मिले 280 चोरी के मोबाइल अलग अलग थाना में दर्ज केस से कनेक्ट भी हो गए हैं। पुलिस की तहकीकात में खुलासा हुआ आरोपी इन मोबाइल फोन को नेपाल भेजते थे। इस गैंग में शामिल कुछ सदस्य पहले ही अरेस्ट किए जा चुके हैं। पूछताछ के दौरान आरोपी पारस जोशी ने खुलासा किया वह मान सिंह के माध्यम से नेपाल निवासी उमेश के संपर्क में आया और इन चोरी किए गए मोबाइल फोन को दिल्ली से नेपाल ले जाता था, जिसके बदले उमेश उसे प्रति ट्रांसपोर्टेशन 10,000 रुपए देता था। आमतौर पर वह मान सिंह के साथ हर शनिवार को दिल्ली में इंदर चोरी किए गए मोबाइल फोन लेता था। पारस उस चोरी के फोन को अपनी कार से उत्तराखंड में भारत नेपाल सीमा पर पहुंचाता था। यहां से मान सिंह इन बैगों को किश्तों में नेपाल के महेंद्रनगर ले जाता था।

फार्मेसी कंपनी ने भाजपा को चुनावी बॉण्ड के रुप में 25 करोड़ रुपये का भुगतान किया : आप

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता और दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने दावा किया कि आबकारी नीति मामले में एक फार्मेसी कंपनी के निदेशक को गिरफ्तार करने के बाद कंपनी ने भाजपा को चुनावी बॉण्ड के माध्यम से 25 करोड़ रुपये का भुगतान किया था। आप नेता भारद्वाज ने दावा भी किया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गुरुवार रात को गिरफ्तार किए गए मुख्यमंत्री केजरीवाल की जान को खतरा है। उन्होंने कहा, बार–बार यह बात कही जा रही है कि केजरीवाल की जान को खतरा है जिन्हें बिना किसी सबूत के गिरफ्तार किया गया है। भारद्वाज ने आरोप लगाया कि हैदराबाद की एक फार्मा कंपनी ने नवंबर 2022 में भाजपा को चुनावी बॉण्ड के माध्यम से 25 करोड़ रुपये का चंदा दिया था जिसके निदेशक को ईडी ने आबकारी नीति मामले में गिरफ्तार किया था। उन्होंने कहा, ''इसकारण आबकारी मामले में धन के लेनदेन और अपराध की सुई भाजपा की ओर मुड़ रही है।'' मंत्री ने कहा कि आप और सीएम केजरीवाल के खिलाफ अपराध से आय अर्जित होने का कोई सबूत नहीं है जैसा कि केंद्रीय एजेंसी के द्वारा आरोप लगाया जा रहा है। भारद्वाज ने कहा कि जिस तरह से केजरीवाल को गिरफ्तार किया गया, वह 'अमानवीय' है।

अमेठी में रेलवे कर्मचारियों ने धक्का देकर ट्रेन को स्टेशन तक पहुंचाया, वीडियो वायरल

अमेठी ।यूपी के अमेठी जिले में रेलवे के कर्मचारियों ने धक्का देकर ट्रेन को स्टेशन तक पहुंचाया है। यहां रेलवे के अधिकारियों के लिए बनी डीपीसी ट्रेन पटरियों के बीच में ही खराब हो गई। जिसके बाद रेल कर्मचारियों के द्वारा ट्रेन को धक्का मारकर मेन लाइन से लूप लाइन में लाया गया। रेलवे कर्मचारियों द्वारा ट्रेन को धक्का मारने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह मामला जिले के निहालगढ़ रेलवे स्टेशन का है जहां पर सुल्तानपुर की तरफ से अधिकारी डीपीसी ट्रेन से लखनऊ की तरफ जा रहे थे। तभी अचानक स्टेशन के आउटर पर ट्रेन खड़ी हो गई। मेन लाइन पर ट्रेन के खराब होने से कई अन्य ट्रेन भी प्रभावित होने लगीं। काफी कोशिश के बाद भी डीपीसी ट्रेन नहीं ठीक हो पाई। जिसके बाद रेलवे के कर्मचारियों के द्वारा डीपीसी ट्रेन को धक्का मारकर मेन लाइन से हटाकर लूप लाइन में किया गया। जिसका वीडियो बनाकर लोगों ने सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया। वीडियो में देखा जा सकता है कि कैसे कुछ लोग ट्रेन को धक्का मार रहे हैं। आसपास स्थानीय लोग मौजूद हैं। इस मामले पर आरपीएफ के इंस्पेक्टर आरएस शर्मा ने बताया कि यह डीपीसी ट्रेन है जिस पर अधिकारी लोग बैठकर निरीक्षण करते हैं। ये कल निहालगढ़ स्टेशन के आउटर पर खराब हो गई थी। जिसके बाद रेलवे के कर्मचारियों के द्वारा धक्का मारकर स्टेशन पर लाया गया और बाद में उसकी कमी को सुधारने के बाद आगे के लिए रवाना कर दिया गया। वीडियो में दिखाया गया कि रेलवे फाटक बंद है। दोनों साइड लोग खड़े हैं। बीच में ट्रैक पर ट्रेन को धक्का देकर आगे की ओर किया जा रहा है। वीडियो में लोगों को कहते हुए सुना जा सकता है कि बड़ी देर से लोग परेशान हैं। फाटक बंद है। ट्रेन को धक्का दिया जा रहा है। ये घटना इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है।

गढ़चिरौली में पुलिस ने इनामी नक्सली को किया गिरफ्तार

गढ़चिरौली (ईएमएस)। आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए राज्यों में सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद है। इस बीच गढ़चिरौली में पुलिस ने इनामी नक्सली को किया गिरफ्तार है। नक्सलियों की तरफ से किसी भी तरह की हिंसक वारदात को रोकने के लिए पुलिस और सुरक्षाबलों की टीमें पूरी तरह से मुस्तैद हैं। यह नक्सली सुरक्षाबलों के खिलाफ कई हिंसक वारदातों में सक्रिय रूप से शामिल था। जानकारी के मुताबिक भामरागढ़ सीमा में भामरागढ़ क्यूआरटी चौकी भामरागढ़ पार्टी और सीआरपीएफ के जवान चौकी क्षेत्र में नाकेबंदी कर रहे थे। इसी दौरान सब–डिवीजनल पुलिस अधिकारी भामरागढ़ को गोपनीय सूचना मिली कि नाकाबंदी की जगह के आसपास एक व्यक्ति को संदिग्ध रूप से घूमते हुए देखा गया है। पुलिस ने संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसकी पहचान पेका माडी पुंगती के रूप में हुई। आगे की जांच में ये भी सामने आय कि पुंगती नक्सली है और उस पर डेढ़ लाख का इनाम भी घोषित है। चुनाव से पहले गढ़चिरौली में हार्डकोर नक्सली की गिरफ्तारी पुलिस बल के लिए बड़ी कामयाबी मानी जा रही है। बता दें कि हाल ही में गढ़चिरौली में पुलिस की कमांडो टीम और नक्सलियों के बीच बड़ी मुठभेड़ हुई थी। इस मुठभेड़ में 4 नक्सली मारे गए थे। मुठभेड़ के बाद जंगल से 4 नक्सलियों के शव बरामद किए गए थे।

कांग्रेस ने 57 उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी की, बहरामपुर से अधीर तो गुलबर्गा से लड़ेंगे खरगे के दामाद

मुंबई (एजेंसी)। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के उम्मीदवारों को अपनी तीसरी सूची जारी कर दी है। इसमें कुल 57 नाम हैं जिसमें अधीर रंजन चौधरी को पश्चिम बंगाल की बहरामपुर से टिकट दिया गया है जबकि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के दामाद राधाकृष्ण को कर्नाटक के गुलबर्गा से मैदान में उतारा गया है। कर्नाटक के बेंगलुरू मध्य संसदीय क्षेत्र से मंसूर खान को टिकट दिया गया है जो पूर्व केंद्रीय मंत्री रहमान खान के पुत्र हैं। बता दें कि देश में 18वीं लोकसभा के लिए चुनाव 19 अप्रैल से शुरू होंगे। इसके बाद छह और चरणों में 26 अप्रैल, सात मई, 13 मई, 20 मई, 25 मई और एक जून को मतदान होगा। लोकसभा के 543 निर्वाचन क्षेत्रों में लगभग 97 करोड़ पंजीकृत मतदाता, 10.5 लाख मतदान केंद्रों पर अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकेंगे।

गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष अमित चावणा को आणंद और वरिष्ठ नेता सुखराम राठवा को छोटा उदयपुर से उम्मीदवार घोषित किया गया है। कांग्रेस ने राजस्थान में गंगानगर से कुलदीप इंदौरा, पाली से संगीता बेनीवाल, झालावाड़ बारन से उर्मिला जैन भाया और जयपुर से सुनील शर्मा को उम्मीदवार बनाया है। राजस्थान की सीकर सीट माकपा के लिए छोड़ी गई है। तेलंगाना की सिकंदराबाद सीट से डी नागेंद्र और चेवेल्ला से रंजीत रेड्डी को टिकट दिया गया है।रंजीत रेड्डी पिछले दिनों भारत राष्ट्र समिति छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए थे। पूर्व गृह मंत्री सुशील कुमार शिंदे की पुत्री प्रणीति शिंदे को उम्मीदवार बनाया गया है। पश्चिम बंगाल की मालदा दक्षिण सीट से वर्तमान सांसद अबू हासिम खान चौधरी के स्थान पर उनके पुत्र ईसा खान चौधरी को टिकट दिया गया है। कांग्रेस लोकसभा चुनाव के लिए अब तक 138 उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। उसने पहली सूची में 39 और दूसरी सूची में 43 उम्मीदवार घोषित किए थे। कांग्रेस की ओर से जारी उम्मीदवारों की तीसरी सूची के अनुसार, अरणाचल प्रदेश की दो सीट, गुजरात की 11, कर्नाटक की 17, महाराष्ट्र की सात, राजस्थान की पांच, तेलंगाना की पांच, पश्चिम बंगाल की आठ और पुडुचेरी की एकमात्र सीट के लिए प्रत्याशी घोषित किए गए हैं। अरुणाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख नबाम तुकी को अरुणाचल पश्चिम से उम्मीदवार बनाया गया है।

केजरीवाल की गिरफ्तार पर अन्ना ने कहा, उन्हें कोई दुख नहीं

नई दिल्ली । दिल्ली में शराब घोटाला मामले में ईडी ने सीएम अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया। केजरीवाल की गिरफ्तारी पर समाजसेवी अन्ना हजारे की ओर से प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल की गिरफ्तारी पर उन्हें कोई दुख नहीं है। समाजसेवी हजारे ने कहा कि केजरीवाल के दिल्ली का मुख्यमंत्री बनने के बाद नई शराब पॉलिसी लेकर आए, इस लेकर मैंने उन्हें दो बार पत्र लिखा था। मुझे इस बात का दुख है कि मेरी बात नहीं मानी गई और अब वह गिरफ्तार हो गए हैं। अन्ना ने कहा कि जब केजरीवाल और मनीष सिसोदिया आंदोलन के समय हमारे साथ आए थे, तब भी मैंने उन दोनों से कहा था कि देश की भलाई के लिए काम करना है। लेकिन, दोनों ने मेरी बातों को नहीं मना। ना ही केजरीवाल ने मेरी बात मानी। अन्ना ने दो टूक कहा कि मैं उन्हें कोई सलाह नहीं दूंगा और साथ ही मुझे केजरीवाल के हालात पर कोई दुख नहीं है। अन्ना ने कहा कि कभी हम दोनों शराब जैसे भ्रष्टाचार के खिलाफ साथ खड़े थे और आज वे खुद शराब नीति बना रहा था।उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने कभी भी मेरी बात नहीं मानी, इसका मुझे दुख है।

'लालू ने पहले बेटी से किडनी ली, फिर...', सम्राट चौधरी के बयान पर बिहार में मचा सियासी बवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव पर तीखा हमला बोलते हुए गंभीर और विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा, ÷लालू प्रसाद (यादव) ऐसे नेता हैं जो टिकट बेचने में माहिर हैं। उन्होंने अपनी बेटी को भी नहीं बख्शा। पहले तो उससे किडनी ली और फिर उसे टिकट दे दिया। बिहार के डिप्टी सीएम की अरुचिकर टिप्पणी ने बड़े पैमाने पर विवाद खड़ा कर दिया और राजद ने कहा, 'सम्राट चौधरी अनर्गल बयान देकर कुशवाहा समुदाय का अपमान कर रहे हैं। हमारा समाज कभी भी इस तरह के घटिया बयानों के पक्ष में नहीं रहा है और न ही ऐसी भाषा का समर्थन करता है।'

दिल्ली के आप विधायक नरेश बाल्यान ने भी ऐसी 'घृणित' टिप्पणी करने और उपमुख्यमंत्री की कुर्सी का सम्मान नहीं करने के लिए चौधरी की आलोचना की। राजद ने कहा कि अगर कोई पुत्र-पुत्री बीमारी में अपने माँ-बाप की सेवा करता है तो क्या वो गलत है? सम्राट चौधरी ने अनर्गल बयानबाज़ी कर समस्त मातृ शक्ति को गाली दी है। बिहार की महिलाएँ दूषित सोच की बीमारी से ग्रस्त उपमुख्यमंत्री और महिला विरोधी पार्टी क्ख्क्क का बहिष्कार करती है। राजद की रितु जयसवाल ने कहा कि बिहार बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने जिस प्रकार रोहिणी आचार्य जी और लालू प्रसाद यादव जी के पिता-पुत्री के रिश्ते के बारे में अनर्गल बयानबाजी की है, वह इनकी घृणित मानसिकता को दर्शाता है।

रोहिणी आचार्य ने अपने एक्स पोस्ट में कहा कि अपने पापा को अपनी एक किडनी देना तो उनके प्रति मेरा कर्तव्य और प्यार है। अपने परिवार और अपनी जन्मभूमि बिहार के लिए तो रोहिणी अपनी जान न्योछावर करने को तैयार है। रोहिणी आचार्य लालू प्रसाद यादव की सिंगापुर स्थित बेटी हैं, जिन्होंने हाल ही में दिसंबर 2022 में अपने पिता को अपनी किडनी दान करने के बाद सुर्खियां बटोरीं। ऑपरेशन सिंगापुर में हुआ जहां रोहिणी अपने पति और दो बच्चों के साथ रहती हैं। हालांकि रोहिणी कई सालों से पटना से दूर थीं लेकिन वह राजनीति के संपर्क में हैं और सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय हैं।

हाल ही में उन्होंने अपनी मां राबड़ी देवी, पिता लालू प्रसाद यादव और अपने भाइयों तेज प्रताप और तेजस्वी के साथ मंच साझा किया था। पटना के गांधी मैदान में आयोजित विपक्ष की जन विश्वास रैली में इंडिया ब्लॉक के प्रमुख नेता भी वहां मौजूद थे। आगामी लोकसभा चुनाव 2024 में रोहिणी आचार्य के संभावित चुनावी पदार्पण की अटकलें तेज हैं। रिपोर्टों में कहा गया है कि रोहिणी बिहार की सारण सीट से चुनाव लड़ सकती हैं।

केजरीवाल के परिजनों से मिलेंगे राहुल गांधी, कांग्रेस करेगी कानूनी मदद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को ईडी ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के तुरंत बाद कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला और तंज कसते हुए कहा था कि एक डरा हुआ तानाशाह मरा हुआ लोकतंत्र चाहता है। इस तंज के बाद खबर आ रही है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी केजरीवाल के परिजनों से मुलाकात करेंगे और कांग्रेस पार्टी उनकी कानूनी मदद करेगी।कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, डरा हुआ तानाशाह, एक मरा हुआ लोकतंत्र बनाना चाहता है। उन्होंने दावा किया, मीडिया समेत सभी संस्थाओं पर कब्ज़ा, पार्टियों को तोड़ना, कंपनियों से हफ्ता वसूली, मुख्य विपक्षी दल का अकाउंट 'फ्रीज' करना भी 'असुरी शक्ति' के लिए कम था, तो अब चुने हुए मुख्यमंत्रियों की गिरफ्तारी भी आम बात हो गई है। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन इसका मुंहतोड़ जवाब देगा। बताया जा रहा है कि ईडी द्वारा गिरफ्तारी के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अरविंद केजरीवाल के परिवार से संपर्क किया। जानकारी के मुताबिक राहुल गांधी ने केजरीवाल के परिवार को अपना पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया दिया है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी आगे की कानूनी सहायता की पेशकश करने के लिए केजरीवाल या फिर उनके परिवार से मिलने की कोशिश करेंगे। कांग्रेस ने अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद केंद्र सरकार पर तीखा प्रहार किया और दावा किया कि एक डरा हुआ तानाशाह मरा हुआ लोकतंत्र चाहता है।

क्रू सेफ्टी गाइडलाइंस का उल्लंघन, एयर इंडिया पर 80 लाख रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने उड़ान शुल्क समय सीमा से संबंधित मानदंडों के उल्लंघन के लिए एयर इंडिया पर 80 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। एक संचार के अनुसार, विमानन नियामक ने पायलटों के लिए संशोधित उड़ान शुल्क मानदंडों को लागू करने के लिए 1 जून की समय सीमा को नहीं बढ़ाने का फैसला किया था और एयरलाइंस को 15 अप्रैल तक संशोधित योजनाएं प्रस्तुत करने के लिए कहा था। फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस (एफआईए), जिसमें एयर इंडिया, स्पाइसजेट और इंडिगो शामिल हैं, ने नियामक को कम से कम दो बार पत्र लिखकर संशोधित उड़ान शुल्क समय सीमा (एफडीटीएल) मानदंडों के कार्यान्वयन के लिए अधिक समय मांगा था, जो 8 जनवरी को जारी किए गए थे।

1 जून से लागू होने वाले नए मानदंड, पायलटों के लिए आराम का समय प्रदान करते हैं और पायलटों की थकान को कम करने का प्रयास करते हैं। एफआईए को एक संचार में, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कहा कि एयरलाइंस को 1 जून, 2024 से संशोधित एफडीटीएल सीएआर को लागू करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने होंगे। इसके अलावा, वाहकों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि संशोधित मानदंडों के अनुरूप एफडीटीएल योजनाएं 15 अप्रैल तक अनुमोदन के लिए प्रस्तुत की जाएं।

केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में 26 मार्च को पीएम आवास का घेराव करेगी 'आप', होली नहीं खेलेंगे कार्यकर्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ विरोध दर्ज कराने के लिए आम आदमी पार्टी 26 मार्च को प्रधानमंत्री आवास का घेराव करेगी। इस बात की जानकारी पार्टी नेता गोपाल राय ने दी। उन्होंने कहा कि इस साल होली का कार्यक्रम नहीं होगा, बल्कि हम लोगों के पास जाएंगे और उन्हें बताएंगे कि देश में क्या हो रहा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि दिल्ली के मंत्री, आप विधायक, पार्षद शनिवार को शहीदी पार्क में देश की रक्षा का संकल्प लेंगे। उन्होंने बताया कि आज इंडिया गठबंधन के नेताओं ने चुनाव आयोग से मुलाकात की है...और इस (अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी) पर कार्रवाई का अनुरोध किया है।

गोपाल राय ने कहा कि 25 मार्च को हम लोगों के पास जाएंगे और उन्हें बताएंगे कि देश में क्या हो रहा है... दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में 26 मार्च को पूरी दिल्ली पीएम आवास का घेराव करेगी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता ने शुक्रवार को पति की गिरफ्तारी पर अपनी पहली प्रतिक्रिया में प्रधानमंत्री की आलोचना करते हुए कहा कि मोदीजी ने सत्ता के अहंकार में तीन बार निर्वाचित सीएम को गिरफ्तार करवाया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सुनीता केजरीवाल ने लिखा कि पीएम मोदी ने सत्ता के अहंकार में तीन बार के निर्वाचित मुख्यमंत्री को गिरफ्तार करवा दिया. वह हर किसी को कुचलने की कोशिश कर रहा है. यह दिल्ली की जनता के साथ धोखा है।% आपके मुख्यमंत्री सदैव आपके साथ खड़े हैं। चाहे अंदर हो या बाहर, उनका जीवन देश के लिए समर्पित है। जनता सब जानती है कि वह जनार्दन हैं। जय हिन्द। शराब नीति मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गुरुवार शाम को गिरफ्तार किए गए केजरीवाल को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया क्योंकि उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष दायर अपनी याचिका वापस ले ली थी।

जम्मू कश्मीर में थर्ड फ्रंट ले रहा आकार, क्या गुलाम नबी आजाद बिगाड़ेंगे INDIA ब्लॉक का गेम?

सुलतानपुर (एजेंसी)। आगामी लोकसभा चुनावों में जम्मू-कश्मीर में सत्तारूढ़ भाजपा के साथ-साथ विपक्षी दल इंडिया ब्लॉक से मुकाबला करने के लिए, तीन स्थानीय दल गुलाम नबी आज़ाद की डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आज़ाद पार्टी (डीपीएपी), अल्ताफ बुखारी की जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी और सज्जाद लोन के नेतृत्व वाली पार्टी जम्मू-कश्मीर पीपुल्स कॉन्फ्रेंस - गठबंधन बनाने और केंद्र शासित प्रदेश में तीसरा मोर्चा बनाने के लिए तैयार है। उच्च पदस्थ सूत्रों ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि तीनों दलों के शीर्ष नेता यूटी की सभी पांच लोकसभा सीटों पर सर्वसम्मति से उम्मीदवार उतारने की संभावना पर चर्चा कर रहे हैं, जिसमें कश्मीर घाटी की तीन और जम्मू की दो सीटें शामिल हैं। . क्षेत्र। हालाँकि उन्हें अभी भी किसी समझौते पर पहुँचना बाकी है।

अपनी पार्टी के महासचिव रफी मीर ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने विभिन्न समान विचारधारा वाले दलों से बात करने का प्रस्ताव रखा है जो जम्मू-कश्मीर के लोगों की समृद्धि के लिए काम करना चाहते हैं। डीपीएपी के मुख्य प्रवक्ता सलमान निज़ामी ने कहा कि समान विचारधारा वाले दलों के साथ बातचीत प्रारंभिक चरण में थी। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में डीपीएपी अध्यक्ष गुलाम नबी आज़ाद द्वारा अंतिम निर्णय लिया जाएगा। पहला संकेत सोमवार को श्रीनगर में अपनी पार्टी की एक असाधारण बैठक के दौरान आया, जहां पार्टी ने अपने अध्यक्ष सैयद मोहम्मद अल्ताफ बुखारी को समान विचारधारा वाले दलों के साथ गठबंधन की संभावना तलाशने के लिए अधिकृत किया। सूत्रों ने कहा कि तीन-दलीय गठबंधन का नेतृत्व डीपीएपी प्रमुख गुलाम नबी आज़ाद, पूर्व कांग्रेस दिग्गज और पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा किए जाने की संभावना है, उन्होंने दावा किया कि फारूक अब्दुल्ला के नेतृत्व वाले नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) सहित अन्य दलों के कई पूर्व विधायक और मंत्री भी इसमें शामिल होंगे। और महबूबा मुफ्ती के नेतृत्व वाली पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) इसमें शामिल होगी।

एक बार बनने के बाद, गठबंधन के जम्मू-कश्मीर में भारतीय गुट के लिए एक बड़ी चुनौती पेश करने की संभावना है। एनसी, पीडीपी और कांग्रेस के कई नेता, जो जम्मू-कश्मीर में भारत के प्रमुख घटक हैं, अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिए जाने के बाद भाजपा, अपनी पार्टी या डीपीएपी में शामिल हो गए। अपनी ओर से विपक्षी गुट अब तक जम्मू-कश्मीर में सीट-बंटवारा समझौता करने में विफल रहा है। एनसी ने घोषणा की है कि वह घाटी की सभी तीन सीटों - अनंतनाग, श्रीनगर

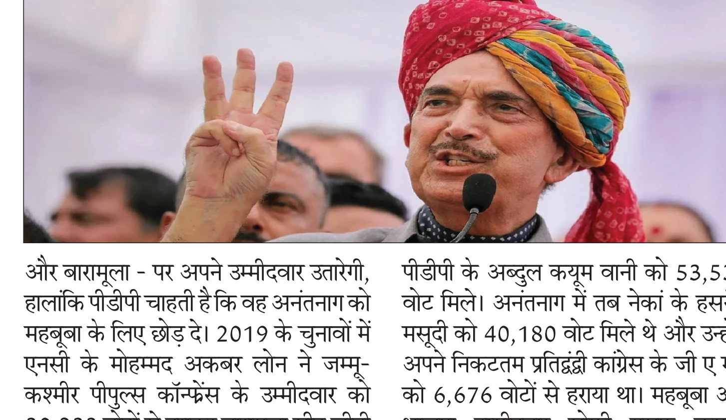

और बारामूला - पर अपने उम्मीदवार उतारेगी, हालांकि पीडीपी चाहती है कि वह अनंतनाग को महबूबा के लिए छोड़ दे। 2019 के चुनावों में एनसी के मोहम्मद अकबर लोन ने जम्मू-कश्मीर पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के उम्मीदवार को 30,233 वोटों से हराकर बारामूला सीट जीती थी। लोन को 1,33,426 वोट मिले, जबकि निर्दलीय इंजीनियर रशीद को 1,02,168 और पीडीपी के अब्दुल कयूम वानी को 53,530 वोट मिले। अनंतनाग में तब नेकां के हसनैन मसूदी को 40,180 वोट मिले थे और उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के जी ए मीर को 6,676 वोटों से हराया था। महबूबा और भाजपा उम्मीदवार सोफी यूसुफ क्रमशः 30,524 वोट और 10,225 वोट पाकर तीसरे और चौथे स्थान पर रहे थे।

वेंकूवर में इंटरनेशनल ऑटो शो में कस्टम व्हीकल को देखते हुए लोग।

किआ की कारें 1 अप्रैल से हो जाएंगी महंगी

नई दिल्ली ।

किआ इंडिया ने बीते दिन घोषणा की है कि वह आगामी 1 अप्रैल से अपनी सभी कारों की कीमतों में 3 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करने जा रही है। कंपनी ने दाम बढ़ाने के पीछे की वजह कमोडिटी की कीमतों और सप्लाई चेन से संबंधित इनपुट में बढ़ोतरी को जिम्मेदार ठहराया है। किआ इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि किआ में हम लगातार अपने ग्राहकों को प्रीमियम और तकनीकी रूप से एडवांस प्रोडक्ट्स देने का प्रयास करते हैं। हालांकि, कमोडिटी की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी, प्रतिकूल एक्सचेंज रेट और बढ़ती इनपुट लागत के चलते, हम आंशिक मूल्य वृद्धि को लागू करने के लिए मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी बढ़ोतरी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा खुद वहन कर रही है, जिससे ग्राहकों को अपनी पसंदीदा किआ कारों को अपनी जेब पर कोई बड़ा बोझ डाले बिना चलाने की अनुमति मिल रही है। किआ ने अब तक भारत और वै श्विक बाजार में संयुक्त रूप से करीब 1.16 मिलियन यूनिट्स बेची हैं।

इसके सबसे ज्यादा बिकने वाले इनोवेशन, सेल्टोस ने 6,13,000 यूनिट की बिक्री को पार कर लिया है। इसी तरह सोनेट की 3,95,000 से अधिक यूनिट और कैरेंस की 1,59,000 यूनिट की बिक्री हुई है। किआ इंडिया की ऑफिशियल वेबसाइट के मुताबिक किआ सेल्टोस की शुरुआती एक्सशोरूम कीमत 10,89,900 रुपये है। न्यू किआ सोनेट की शुरुआती एक्सशोरूम कीमत 7,99,000 रुपये है। इसी तरह किआ कैरेन्स की शुरुआती एक्सशोरूम कीमत 10,44,900 रुपये है। जबकि इलेक्ट्रिक कार ईवी6 की शुरुआती एक्सशोरूम कीमत 60,95,000 रुपये है।

म्युचुअल फंड में निवेश पैसे से पैसा बनाने में मिलते हैं कई फायदे!

नई दिल्ली ।

म्यूचुअल फंड कई निवेशकों के संसाधनों को संयोजित करने और पूर्व निर्धारित गाइडलाइंस के मुताबिक निवेश लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रतिभूतियों में पैसा निवेश करने का एक तरीका है। निवेश का लक्ष्य अधिकतर निवेशक की जोखिम स्वीकार करने की तैयारी से निर्धारित होता है। अधिकांश निवेशकों के लिए अपने खुद के पैसे का प्रबंधन करना काफी चुनौतीपूर्ण है और विभिन्न कंपनियों का अध्ययन और विश्लेषण करने का कार्य उनकी चुनौतियों को और बढ़ा देता है। म्यूचुअल फंड निवेश आपको मामूली शुल्क पर एक पेशेवर फंड मैनेजर प्रदान करता है। इसमें निवेश के जो फायदे मिलते हैं, वह इस प्रकार हैं-

लिक्विडिटी- कोई भी व्यक्ति अपनी वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए आसानी से म्यूचुअल फंड बेच सकता है। प्रोसेस होने पर पैसा कुछ दिनों में आपके बैंक खाते में जमा कर दिया जाता है। ओपन-एंडेड म्यूचुअल फंड्स में यूनिट खरीदना आसान है और योजना से बाहर निकलना भी उतना ही आसान है।

एक्सपर्ट द्वारा होता है मैनेजः भारत में बड़ी संख्या में निवेशकों के बीच म्यूचुअल फंड पसंदीदा निवेश विकल्प बनने का एक मुख्य कारण यह है कि उनका प्रबंधन मार्केट एक्सपर्ट द्वारा किया जाता है।

डाइवर्सिफिकेशनः बाजार की गतिविधियां म्यूचुअल फंड के प्रदर्शन और उनसे जुड़े जोखिमों को निर्धारित करती हैं। यही वजह है कि निवेश आमतौर पर कई एसेट क्लास जैसे कि इक्विटी, मनी मार्केट सिक्योरिटीज, डेट इंस्ट्रूमेंट्स आदि में किया जाता है ताकि जोखिम बंट जाए।

वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करनाः निवेशकों के पास अलग-अलग प्रकार के म्यूचुअल फंडों तक पहुंच है और इसलिए, वे ऐसी स्कीम खोज सकते हैं जो उनके वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आदर्श हों, चाहे वह लंबी अवधि में हो या अल्पावधि में।

थोक खरीदारी के लिए कम लागतः आपके पास खरीदी गई म्यूचुअल फंड यूनिट्स की संख्या जितनी अधिक होगी, लागत उतनी ही कम होगी क्योंकि कमीशन शुल्क और प्रोसेसिंग फीस कम होगी।

एसआईपी एक बढ़िया विकल्पः म्यूचुअल फंड में एसआईपी निवेश का एक बढ़िया विकल्प है क्योंकि ज्यादातर लोगों के पास म्यूचुअल फंड में निवेश करने के लिए एकमुश्त राशि नहीं होती है।

निवेश करना है बेहद आसानः म्यूचुअल फंड में निवेश एक बहुत ही आसान प्रक्रिया है। आपको बस अपने वित्तीय लक्ष्यों की पहचान करनी है और यह तय करना है कि आप उन्हें हासिल करने के लिए कितना पैसा निवेश करना चाहते हैं।

टैक्स के मामले में भी मिलता है सपोर्टः इक्विटी-लिंक्ड सेविंग स्कीम जैसे टैक्स सेविंग म्यूचुअल फंड में निवेश आपको 1.5 लाख रुपये की सीमा तक टैक्स लाभ हासिल करने में मदद कर सकता है।

सुरक्षाः ऐसा सुनने को मिलता है कि म्यूचुअल फंड बैंक उत्पादों की तुलना में असुरक्षित हैं। हालांकि, अगर आप फंड मैनेजर के मूल्यांकन के अलावा उस फंड हाउस का आकलन करते हैं जिससे आप म्यूचुअल फंड की यूनिट्स खरीदते हैं, तो आपकी पूंजी सुरक्षित रहेगी।

बैंक किसी को इरादतन डिफॉल्टर घोषित करते समय रखे सावधानीः हाई कोर्ट

मुंबई ।

बैंकों को बंबई हाई कोर्ट की तरफ से सलाह दी गई है। कोर्ट ने कहा है कि बैंकों और वित्तीय संस्थानों को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मुख्य सर्कुलर के तहत किसी संस्था या व्यक्ति को इरादतन डिफॉल्टर घोषित करने से पहले तर्कसंगत आदेश पारित करना चाहिए। न्यायमूर्ति बीपी कोलाबावाला और न्यायमूर्ति सोमशेखर सुंदरेसन की खंडपीठ ने 4 मार्च को अपने एक आदेश में यह बात कही। एक खबर के मुताबिक इस आदेश में कहा कि इरादतन चूककर्ताओं को वित्तीय सेक्टर तक एक्सेस से बाहर कर दिया जाता है और इसलिए सर्कुलर के तहत बैंकों को दिए गए विवेक का इस्तेमाल आरबीआई के नियमों के मुताबिक और सावधानी के साथ किया जाना चाहिए। खबर के मुतबिक हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि जो बैंक और वित्तीय संस्थान इरादतन चूक की घटना की घोषणा करने के लिए मुख्य परिपत्र लागू करना चाहते हैं, उन्हें अपनी पहचान समिति और समीक्षा समिति द्वारा पारित तर्कसंगत आदेशों को साझा करना होगा।

पीठ आईएलएंडएफएस फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (आईएफआईएन) के पूर्व संयुक्त प्रबंध निदेशक मिलिंद पटेल द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इस याचिका में फरवरी, 2023 में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की तरफ से पारित एक आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें कंपनी और उसके प्रमोटर्स को आरबीआई द्वारा जारी 2015 के मुख्य सर्कुलुर के तहत इरादतन चूककर्ता घोषित किया गया था। आरबीआई का सर्कुलर बैंकों, वित्तीय संस्थानों को तिमाही आधार पर इरादतन चूककर्ताओं का आंकड़ा जमा करने के लिए कहता है। यह आंकड़ा भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) को भी भेजा जाता है।

जेनसोल को महाराष्ट्र में 520 करोड़ की सौर परियोजना मिली

नई दिल्ली । जेनसोल इंजीनियरिंग को महाराष्ट्र में सौर ऊर्जा परियोजना स्थापित करने के लिए 520 करोड़ रुपये का ऑर्डर हा सिल हुआ है। जेनसोल ने शुक्रवार को शेयर बाजार को बताया कि यह ऑर्डर राज्य की एक अग्रणी बिजली उत्पादन इकाई से मिला है। इस परियोजना में महाराष्ट्र में 500 एकड़ में 100 मेगावाट एसी, 135 मेगावाटपी ग्राउंड-माउंट सौर पीवी बिजली परियोजना का विकास शामिल है, जिसका कुल ऑर्डर मूल्य 520 करोड़ रुपये है। जेनसोल ने कहा कि इसके तहत सिविल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग कार्य, जरूरी मंजूरियां हासिल करना, संयंत्र की स्थापना और शुरुआत और संयंत्र के स्विचयार्ड और ट्रांसमिशन बुनियादी ढांचे के रखरखाव सहित तीन साल का परिचालन प्रबंधन शामिल है। जेनसोल इंजीनियरिंग जेनसोल समूह की कंपनियों का एक हिस्सा है जो सौर ऊर्जा संयंत्रों के विकास के लिए ईपीसी सेवाएं प्रदान करती हैं। समूह ने पुणे में एक इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) विनिर्माण संयंत्र भी स्थापित किया है।

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड नहीं होगी विभाजित, खान मंत्रालय ने प्रस्ताव खारिज किया

नई दिल्ली । खान मंत्रालय ने वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड द्वारा कंपनी को विभिन्न इकाइयों में विभाजित करने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। केंद्र सरकार हिंदुस्तान जिंक में सबसे बड़ी अल्पसंख्यक शेयरधारक है। सरकार के पास कंपनी में 29.54 प्रतिशत हिस्सेदारी है। खान सचिव वी एल कांता राव ने कहा, हम प्रस्ताव से सहमत नहीं हुए। हिंदुस्तान जिंक ने पहले अपने बाजार पूंजीकरण को बढ़ाने के लिए जस्ता और चांदी के कारोबार को अलग-अलग इकाइयों में विभाजित करने की योजना की घोषणा की थी। प्रस्ताव खारिज होने का कारण पूछने पर सचिव ने कहा, हमारे सामने जो बात रखी गई है, उससे हम एक शेयरधारक के तौर पर आश्वस्त नहीं हैं। हिंदुस्तान जिंक ने पहले कहा था कि उसने कारोबार को विभाजित करने की अपनी योजनाओं का अध्ययन करने के लिए एक प्रमुख सलाहकार फर्म को नियुक्त किया है। इससे पहले, हिंदुस्तान जिंक ने कहा था कि कंपनी के निदेशक मंडल ने संभावित मूल्य खोलने के लिए अपने कॉरपोरेट ढांचे की व्यापक समीक्षा करने का निर्णय लिया है।

टाटा केमिकल पर 103.63 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली । आयकर विभाग ने ब्याज की अस्वीकृति से संबंधित नियम के उल्लंघन के लिए टाटा कैमिकल्स पर 103.63 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। टाटा कैमिकल्स ने कहा कि उसे आयकर विभाग के नेशनल फेसलैस असेसमेंट सेंटर से एक आदेश मिला है, जिसमें धारा 36 (1) के तहत ब्याज की अस्वीकृति के लिए आयकर अधिनियम की धारा 270 ए (3) के तहत 103.63 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया है। टाटा समूह की कंपनी ने कहा कि मामले के गुण-दोष, प्रचलित कानून और वकील की सलाह के आधार पर वह इस आदेश के खिलाफ नेशनल फेसलैस अपील सैंटर के समक्ष अपील करने की योजना बना रही है।

सरसों के बीज के भाव एमएसपी से गिरने पर एसईए की केंद्र से दखल की मांग

नई दिल्ली । खाद्य तेल उद्योग निकाय सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) ने शुक्रवार को सरसों के बीज की थोक कीमतें 5,650 रुपये प्रति क्विंटल के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से नीचे गिरने पर सरकार से तत्काल हस्तक्षेप करने का आग्रह किया। एसईए के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि हम अधिकारियों से एमएसपी पर सरसों के बीज की खरीद की सुविधा के लिए प्रमुख मंडी क्षेत्रों में खरीद केंद्र स्थापित करने के लिए (सहकारी) नेफेड को निर्देश देने का आग्रह करते हैं, जिससे बाजार स्थिरता और किसान कल्याण का समर्थन किया जा सके। उन्होंने कहा कि एमएसपी खासकर सरसों की कटाई के मौजूदा मौसम में बड़ी चिंता बनी हुई है। सरसों के बीज की मौजूदा बाजार कीमतें 5,650 रुपये के एमएसपी से नीचे हैं, जिससे तत्काल सरकारी दखल की जरूरत है। उन्होंने कहा कि चालू सत्र के दौरान रकबा 100 लाख हेक्टेयर के शिखर पर पहुंचने के बावजूद कीमतों में गिरावट के कारण सरसों की खेती में स्थिरता का सामना करना पड़ रहा है।

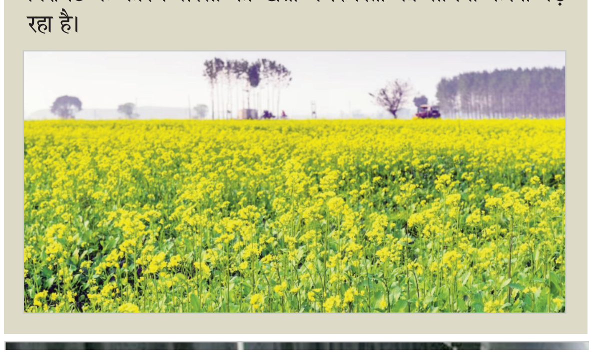

भारत 5 साल में दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था होगाः कांत

बेंगलूर । भारत के जी20 शेरपा और नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमिताभ कांत ने कहा कि भारत अगले पांच साल में जापान और जर्मनी को पीछे छोड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। इसके अलावा उस समय तक भारत में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा शेयर बाजार भी होगा। भारतीय उद्योग परिसंघ (दक्षिणी क्षेत्र) द्वारा द डैक्कन कन्वर्सेशन्स, एक्सिलरेटिंग आवर ग्रोथ स्टोरी विषय पर आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते हुए कांत ने कहा कि भारत की वृद्धि दर पिछली तीन तिमाहियों में 8.3 प्रतिशत से अधिक रही है और इस दौरान यह एक मजबूत ताकत के रूप में उभरा है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) का हवाला देते हुए कहा कि भारत अगले दशक में दुनिया के आर्थिक विस्तार में लगभग 20 प्रतिशत का योगदान देगा। वर्ष 2047 तक देश की अर्थव्यवस्था 35,000 अरब डॉलर की होगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत को विनिर्माण, स्मार्ट शहरीकरण और कृषि के दम पर आगे बढ़ने की जरूरत है। भारत को सीखने के परिणामों और कौशल में सुधार करने की जरूरत है, जिससे 2047 तक भारत वैश्विक स्तर पर 30 प्रतिशत कुशल जनशक्ति प्रदान कर सकेगा। उन्होंने कहा कि भारत को बड़ी कंपनियां बनाने, सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के लिए पारिस्थितिकी तंत्र का सृजन करने की जरूरत है, जिससे शोध एवं विकास (आरएंडडी) पर खर्च को मौजूदा के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 0.7 प्रतिशत से बढ़ाकर ढाई से तीन प्रतिशत किया जा सके।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

सेंसेक्स 190, निफ्टी भी 84 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों से आया है। व्यापक बाजारों में भी सकारात्मक रुख से बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.38 फीसदी और बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स 1.06 फीसदी ऊपर आया।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 190.75 अंक करीब 0.26 फीसदी बढ़कर 72,831.94 अंक पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 84.80 अंक तकरीबन 0.39 फीसदी बढ़कर 22,096.75 अंक पर बंद हुआ।

आज के कारोबार में सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 21 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। इस दौरान मारुति, सन फार्मा, टाइटन, आईटीसी और इंडसइंड बैंक सेंसेक्स के शीर्ष पांच लाभ वाले शेयर रहे। सबसे ज्यादा लाभ मारुति के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 3.55 फीसदी बढ़े। इसके अलावा, एलएंडटी, टाटा मोटर्स, भारती एयरटेल, टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, नेस्ले, अल्ट्राटेक सीमेंट, एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई बैंक और पावर ग्रिड के शेयर लाभ में रहे।

दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में 9 शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये। इंफोसिस, विप्रो, एचसीएल टेक, टीसीएस और टेक महिंद्रा सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले पांच शेयरों में रहे। सबसे ज्यादा नुकसान इंफोसिस के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 2.98 फीसदी टूटे। इसके अलावा बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक और एनटीपीसी के शेयर भी नुकसान में रहे।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए अनुमान से ज्यादा तेजी से वृद्धि की उम्मीद जताई है उससे भी बाजार को बल मिला। बीएसई में सूचीबद्ध फर्मों का कुल बाजार पूंजीकरण 5.7 लाख करोड़ रुपये ऊपर आया।

वहीं इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों में कमजोरी को देखते हुए भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स 200 अंक गिरकर 72,431 पर और एनएसई निफ्टी50 54 अंक गिरकर 21,957 के स्तर पर कारोबार करते दिखे। बीएसई मिडकैप एक दायरे में कारोबार करता दिखा, जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स 0.33 फीसदी ऊपर था। शुक्रवार के शुरुआती कारोबार में आईटी कंपनियों के शेयरों में एचसीएल टेक, एमफैसिस, पर्सिस्टेंट सिस्टम्स के शेयरों में 4 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जबकि विप्रो, कोफोर्ज, इंफोसिस और एलटीटीएस में भी 3 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई।

बायजू की ईजीएम के विरोध में निवेशकों का एक समूह एनसीएलटी पहुंचा

- 28 मार्च को होगी मामले की सुनवाई

मुंबई । एजुटेक कंपनी बायजू को संचा लित करने वाली कंपनी थिंक एंड लर्न के शेयरधारकों की 29 मार्च को असाधारण आम सभा (ईजीएम) बुलाने को लेकर कुछ निवेशकों ने इसका विरोध कंपनी न्यायाधिकरण एनसीएलटी में किया है, लेकिन उन्हें राहत नहीं मिल सकी। सूत्रों ने कहा कि 29 मार्च को ईजीएम बुलाने के फैसले का कुछ निवेशकों ने विरोध करते हुए राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की बेंगलुरु पीठ के समक्ष अर्जी लगाई है। लेकिन ईजीएम पर रोक लगाने की मांग पर उन्हें राहत नहीं मिली है। खबर के मुताबिक न्यायाधिकरण ने इस मामले को 28 मार्च की सुनवाई के लिए लिस्टेड कर दिया है। हाल ही में 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर का राइट्स इश्यू लाए जाने के बाद कंपनी की अधिकृत शेयर पूंजी बढ़ाने के लिए बायजू ने 29 मार्च को ईजीएम बुलाई है। इस संबंध में बायजू और कुछ प्रमुख निवशकों को भेजे गए सवालों का कोई जवाब नहीं मिला है। बायजू के चार निवेशकों के एक समूह ने एनसीएलटी की बेंगलुरु पीठ के समक्ष कंपनी के प्रबंधन के खिलाफ उत्पीड़न और कुप्रबंधन का मुकदमा दायर किया है। मुकदमा में कंपनी के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बायजू रवींद्रन और दूसरे संस्थापकों को बाहर करने और एक नया बोर्ड नियुक्त करने की मांग की गई है। इसके अलावा मुकदमे में हाल ही में खत्म हुए अधिकार मुद्दे को शून्य घोषित करने की भी मांग की गई। बता दें, पिछले महीने ही बायजू के निवेशकों ने कंपनी पर अमेरिका में एक अस्पष्ट हेज फंड में 53.3 करोड़ डॉलर की हेराफेरी करने के साथ ही 20 करोड़ डॉलर के राइट्स इश्यू पर रोक लगाने की अपील की थी।

महिंद्रा ने अडाणी टोटल एनर्जी से किया करार

नई दिल्ली । महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) ने देश भर में इलैक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग बुनियादी ढांचा स्थापित करने के लिए अदाणी टोटल गैस की एक इकाई के साथ समझौता किया है। प्रमुख वाहन कंपनी ने बताया कि उसने अदाणी टोटल एनर्जी ई-मोबिलिटी लिमिटेड (एटीईएल) के साथ इस संबंध में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। बयान के अनुसार एमओयू देशभर में एक विस्तृत ईवी चार्जिंग बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए एक खाका तय करता है। एमएंडएम ने कहा कि इसके अलावा साझेदारी में खोज, उपलब्धता, नेविगेशन और लेनदेन को कवर करने वाले ग्राहकों के लिए चार्जिंग नेटवर्क तक निर्बाध पहुंच प्रदान करने के लिए ई-मोबिलिटी समाधान पेश करना भी शामिल होगा। इसमें कहा गया है कि इस सहयोग से इलैक्ट्रिक वाहन एक्सयूवी400 ग्राहकों के पास अब 1,100 से अधिक चार्जर तक पहुंच होगी।

खेल

भारत के साथियान ने डब्ल्यूटीटी खिताब जीता

बैरूत । भारत के स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी साथियान ज्ञानशेखरन ने यहां हुए डब्ल्यूटीटी फीडर सीरिज टूर्नामेंट में खितबी जीत के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। साथियान इसी के साथ ही डब्ल्यूटीटी फीडर टेबल टेनिस एकल खिताब जीतने पहले भारतीय बन गये हैं। साथियान ने इस मुकाबले के अंतिम दिन पुरुष एकल में अपने ही हमवतन मानव ठक्कर को 3.1 (6.11, 11.7, 11.7, 11.4) से हराया। इससे पहले उन्होंने भारत के ही हरमीत देसाई को 15.13, 6.11, 11.8, 13.11 से मात दी थी। इसके बाद शीर्ष वरीयता प्राप्त चुआंग चिह युआन को 11.8, 11.13, 11.8, 11.9 से हराया था। पुरूष युगल में भारत के मानव ठक्कर और मानुष उत्पलभाई शाह फाइनल में एंडी परेरा और जॉर्ज कंपोस से 11.5, 7.11, 11.13, 12.14 से हार गए। इसके अलावा मिश्रित युगल में भी भारतीय जोड़ी को जीत मिली। भारत की दिया चितले और मानुष शाह ने अपने ही देश के मानव और अर्चना कामथ को 11.6, 10.12, 11.6, 11.6 से हराया। वहीं महिला एकल में शिया लियान ने खिताब जीता। लियान ने सुह यो वोन को 11.9, 11.5, 11.5 से पराजित किया।

वेलामल महिला ग्रांड मास्टर शतरंज : मैरी गोम्स नें लगाई जीत की हैट्रिक , कदम खिताब की ओर

चेन्नई

वेलामल एआईसीएफ़ महिला ग्रांड मास्टर राउंड रॉबिन टूर्नामेंट के सात राउंड के बाद भारत की तीन बार की राष्ट्रीय चैम्पियन महिला ग्रांड मास्टर मैरी एन गोम्स नें लगातार तीन जीत के साथ अपने कदम खिताब की ओर बढ़ा दिये है । मैरी नें छठे राउंड में टूर्नामेंट की टॉप सीड हमवतन वेलपुला सरायु को काले मोहरो से फ्रेंच ओपनिंग में 68 चालों तक चले मुक़ाबले में पराजित करते हुए टूर्नामेंट में अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की थी और फिर सातवें राउंड में उन्होने हमवतन महालक्ष्मी एम को सफ़ेद मोहरो से अपने प्यादो के शानदार एंडगेम के दम पर 51 चालों में पराजित करते हुए टूर्नामेंट में अपनी छठी जीत दर्ज की । इस जीत के साथ मैरी अब सात राउंड के बाद 6.5 अंक बनाते हुए अपनी नजदीकी प्रतिद्वंदी से 2 अंक आगे चल रही है और फिलहाल अपनी रेटिंग में 19 अंको का इजाफा करने में सफल रही है।सातवें राउंड में मंगोलिया की एंखतुल अलतान नें हमवतन उर्तशेख उरीइनतुया को पराजित करते हुए अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज की है, मैरी के बाद एंखतुल अपराजित रहने वाली दूसरी खिलाड़ी है और उन्होने अब तक पाँच ड्रॉ और दो जीत दर्ज की है और फिलहाल 4.5 अंक बनाकर टाईब्रेक में दूसरे स्थान पर चल रही है। सातवे राउंड के अन्य मुकाबलों में भारत की वेलपुला सरायु नें कोलंबिया की एंजेला फ़्रांकों को , भारत की मोनिशा जीके नें हमवतन रिंधिया वी को और फ्रांस की नीनों मैसूरद्जे नें भारत की साक्षी चित्लांगे को पराजित किया जबकि इटली की एलेना सेदिना और भारत की अक्षया मौनिका के बीच बाजी अनिर्णीत रही । 10 लाख रुपेय पुरुष्कार राशि के इस 11 राउंड के टूर्नामेंट में अब भी चार राउंड खेले जाने बाकी है ।

संक्षिप्त समाचार

आईपीएल से खेल में वापसी पर बेहद खुश हैं ऋषभ

नई दिल्ली । आक्रामक विकेट कीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत खेल में वापसी को लेकर बेहद खुश हैं। ऋषभ आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान हैं। वह कार हादसे के 14 महीने बाद मैदान पर लौटे हैं। उन्होंने वापसी पर कहा कि वह खुश हैं कि वह भयानक हादसे के बाद भी जीवित हैं और इस पल का आनंद ले रहे हैं। वह दिसंबर 2022 में एक सड़क दुर्घटना में गंभीर रुप से घायल हो गये थे। इसके बाद लंबे समय तक वह बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिहैब के दौर से गुजरे। कार दुर्घटना के बाद खेल में वापसी पर इस क्रिकेटर ने कहा कि वह बता नहीं सकते कि उस भावना को बता वर्णन नहीं कर सकते जब उन्होंने हादसे से उबरकर पहली बार बल्ला पकड़ा था। शुरुआत में मैं बैसाखी का उपयोग करके चल रहा था, फिर मुझे इसकी आवश्यकता नहीं थी। फिर मैंने चलना शुरू किया, फिर जॉगिंग शुरू की और फिर दौड़ना। फिर बल्लेबाजी और फिर विकेटकीपिंग। मुझे वे विशेष तारीखें याद नहीं हैं पर निश्चित रूप से उन पलों को याद करता हूं। दुर्घटना के बाद जब मैंने पहली बार बल्ला पकड़ा तो मैं उस अहसास का वर्णन नहीं कर सकता। यह आश्चर्यजनक था। आप किसी चीज के कारण मंत्रमुग्ध हो जाते हैं। वह अहसास कुछ ऐसा ही था। मुझे नहीं लगा कि मैं पहली बार खेल रहा हूं, लेकिन ऐसा भी नहीं लग रहा था कि मैं पहले खेल चुका हूं। एक अलग तरह की ऊर्जा और अहसास था। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें दिल्ली कैपिटल्स में लौटने पर कोई दबाव महसूस होता है, तो उन्होंने कहा कि पहली भावना यह है कि मैं खुश हूं कि मैं जीवित हूं। यदि आप जीवित नहीं हैं, तो आप किसी और चीज के बारे में सोच भी कैसे सकते हैं। प्रवाह के साथ रहना और इन क्षणों का आनंद लेना जरूरी है। इस क्रिकेटर ने कहा कि जब सफर इतना लंबा हो तो निराशा तो होती ही है। हम मंजिल की तलाश में रहते हैं। आपको सफर का मजा लेना चाहिए।

साल 2022 में धोनी के अचानक कप्तानी छोड़ने पर हैरान हुए थे : फ्लेमिंग

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा है कि साल 2022 में जब अचानक ही महेन्द्र सिंह धोने ने कप्तानी छोड़ दी थी तब हम हैरान को गये थे क्योंकि तब हम इसके लिए तैयार नहीं थे। उस सत्र में रविन्द्र जडेजा को कप्तानी सोंपी गयी थी पर जब वह सफल नहीं हुए तो धोनी को वापस ये जिम्मेदारी संभालनी पड़ी। फ्लेमिंग ने कहा कि धोनी को क्रिकेट की खासी समझ है पर हम युवा खिलाड़ियों को इस भूमिका के लिए तैयार करना चाहते थे। इस बार हम तैयार हैं। उन्होंने कहा कि पिछली बार धोनी ने कप्तानी छोड़ी तो हम स्तब्ध रह गए थे क्योंकि हम इसके लिए तैयार नहीं थे। इस बार हमें पता था कि वह कप्तानी छोड़ने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम नए कप्तान तैयार करने पर मेहनत कर रहे थे। युवाओं पर भरोसा करने का फायदा मिला है। मैंने नये कप्तान रूतुराज से कप्तानी के बारे में बात की है। उसके लिए यह अपने को साबित करने का अच्छा अवसर है। उन्होंने कहा कि आईपीएल से पहले अभ्यास मैचों में धोनी फिट लग रहे हैं और इस बार फिटनेस की कोई समस्या नहीं होगी।

आईपीएल में आज होगा

केकेआर और सनराइजर्स का मुकाबला

स्टार्क , कमिंस ओर श्रेयस पर रहेंगी नजरें

कोलकाता ।

आईपीएल के 17 वें सत्र में शनिवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला होगा। दोनो ही टीमें इस मैच को जीतकर अपने अभियान की अच्छी शुरुआत करना चाहेंगी। इस मैच में आईपीएल इतिहास के दो सबसे महंगे खिलाड़ियों के बीच होने वाली भिड़त देखने को मिलेगी। सबसे महंगे मिशेल स्टार्क जहां केकेआर की ओर से उतरेंगे। वहीं पैट कमिंस सनराइजर्स की कप्तानी करेंगे। ये दोनो ही ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी अपनी तेज गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में दोनो ही टीमों के बल्लेबाजों की भी कड़ी परीक्षा होगी। इसके अलावा चोट से वापसी कर रहे केकेआर के कप्तान श्रेयस अय्यर पर भी सबकी नजरें रहेंगे। श्रेयस इस मैच में बेहतर प्रदर्शन कर लय हासिल करना चाहेंगे। कमर की चोट के कारण पिछले आईपीएल से बाहर रहे श्रेयस केकेआर की कप्तानी करेंगे। उन्होंने हाल ही में रणजी ट्रॉफी में मुंबई की ओर से अच्छी बल्लेबाजी की थी पर पर फिटनेस को लेकर वह परेशान रहे थे। अब देखना होगा कि वह किस प्रकार पूरे सत्र में खेलते हैं। केकेआर को इस सत्र में मेंटोंर के तौर पर मिले गौतम गंभीर के अनुभवों से काफी लाभ होगा। गंभीर की कप्तानी में ही केकेआर ने दो बार खिताब जीता था। अब मेंटोर के रूप में गंभीर की ये दूसरी पारी है। घरेलू सर्किट में दिग्गज मुख्य कोच चंद्रकांत पंडित के साथ मिलकर उनका लक्ष्य टीम को जीत दिलाना रहेगा। टीम के पास इस बार स्टार्क जैसा तूफानी तेज गेंदबाज है। उसे केकेआर ने 24 करोड़ 75 लाख रुपए में खरीदा है। ऐसे में अब इस तेज गेंदबाज पर अच्छे प्रदर्शन का काफी दबाव होगा। पावरप्ले और डैथ ओवरों में उनके स्पैल निर्णायक साबित हो सकते हैं। इसके अलावा केकेआर के पास स्टार्क और आंद्रे रसेल जैसे दो अनुभवी तेज गेंदबाज है और उनकी जगह लेने के लिए उनके जैसा कोई विकल्प नहीं है लिहाजा कार्यभार प्रबंधन में सावधानी बरतनी होगी। केकेआर के पास बल्लेबाजी में अय्यर के अलावा रिंकू सिंह, रसेल, रहमानुल्लाह गुरबाज, फिल साल्ट और वेंकटेश अय्यर जैसे खिलाड़ी हैं। वहीं स्पिन गेंदबाजी की कमान सुनील नारायण, वरूण चक्रवर्ती और सुयश शर्मा पर रहेगी। वहीं दूसरी ओर सनराइजर्स की कप्तानी ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान कमिंस के हाथ में होगी जिन्हें 20 करोड़ 50 लाख रूपये में खरीदा गया है। वह आईपीएल के दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी हैं और पिछले तीन सत्र में आखिरी स्थान पर रही सनराइजर्स की किस्मत बदलने की जिम्मेदारी उन पर होगी। कमिंस के पास कप्तानी का अच्छा अनुभव है। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई टीम को हाल में में विश्वकप सहित कई और मुकाबलों में भी जीत दिलायी थी। सनराइजर्स के पास ट्रेविस हेड

और हेनरिच क्लासेन जैसे बल्लेबाज हैं जबकि गेंदबाजी में कमिंस के अलावाके डैथ ओवरों के विशेषज्ञ भुवनेश्वर कुमार भी होंगे। स्पिन की जिम्मेदारी श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा और वॉशिंगटन सुंदर जिम्मा संभालेंगे।

आईपीएल 2024 में धोनी और रोहित का युग समाप्त हुआ

मुम्बई ।

आईपीएल 2024 सत्र के साथ ही दो महान कप्तानों का युग समाप्त हो गया। दोनो ही पांच-पांच बार आईपीएल ट्रॉफी अपनी टीम को जितायी है। जहां मुम्बई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा को हटाया गया है। वहीं चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की कप्तानी महेन्द्र सिंह धोनी ने स्वयं ही छोड़ दी। मुम्बई ने जहां रोहित की जग हार्दिक पंड्या को नया कप्तान बनाया है। वहीं सीएसके ने युवा ऋतुराज गायकवाड़ को ये जिम्मेदारी सौंपी है।

रोहित की कप्तानी में मुम्बई ने 2013 से 2023 तक 5 बार खिताब दिलाया है। वहीं धोनी ने पहले सीजन से 2023 तक चेन्नई सुपर किंग्स को 5 बार चैम्पियन बनाया है। सीएसके टीम ने यह सभी खिताब 2010, 2011, 2018, 2021 और 2023 सीजन में जीते हैं।। मुंबई फ्रेंचाइजी ने ट्रेड के जरिए पंड्या को अपनी टीम में शामिल किया और कप्तानी सौंप दी। दूसरी ओर चेन्नई टीम ने 2019 में गायकवाड़ को खरीदा था। तब से ही वह सीएसके के

लिए ही खेल रहे हैं। गायकवाड़ चेन्नई टीम के चौथे कप्तान होंगे। इससे पहले धोनी, रविन्द्र जडेजा और रैना भी कप्तानी कर चुके हैं। रोहित ने 2013 से 2023 तक अपनी कप्तानी में मुंबई टीम को 5 बार (2013, 2015, 2017, 2019 और 2020) खिताब जिताया है। रोहित ने इस दौरान मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल में 158 मैचों में कप्तानी की। जिसमें मुंबई टीम को 87 मुकाबलों में जीत मिली जबकि 67 मैचों में उसे हार झेलनी पड़ी। इस दौरान 4 मैच टाई रहे। धोनी की कप्तानी में चेन्नई टीम ने आईपीएल इतिहास में अब तक 12 बार प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया है। इस दौरान सीएसके टीम ने 10 बार फाइनल खेला, जिसमें से टीम 5 बार खिताब जीतने में सफल रही।

श्रीकांत और राजावत स्विस ओपन बैडमिंटन के क्वार्टरफाइनल में पहुंचे

सिंधु प्री-क्वार्टर फाइनल में हारीं

बेसल ।

भारत के किदांबी श्रीकांत और प्रियांशु राजावत जीत के साथ ही बीडब्ल्यूएफ स्विस ओपन, सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गए हैं। श्रीकांत ने मलेशियाई ली जी जिया को केवल 36 मिनट में ही सीधे सेट में 21-16, 21-15 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनायी। वहीं राजावत ने चीन के लेई लांक्सी को सीधे गेम में 21-14, 21-13 से हराया। राजावत ने पहले दौर में हांगकांग के विश्व नंबर 14 ली चेउक यियू को हराया था। श्रीकांत का मुकाबला अब क्वार्टरफाइनल में चीनी ताइपे के चिया हाओ ली से होगा। वहीं राजावत का सामना चीनी ताइपे के चाउ टीएन चेन से होगा। भारत के ही एक अन्य पुरुष एकल खिलाड़ी किरण जॉर्ज ने एलेक्स लैनियर को कड़े मुकाबले में 18-21, 22-20, 21-18 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अब वह सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए डेनमार्क के रासमस गेम्के से मुकाबला करेंगे। वहीं महिला वर्ग में भारत की पीवी सिंधु को जापान की टोकोमा मियाजाकी के हाथों प्री-क्वार्टर फाइनल में ही हार का सामना करना पड़ा। सिंधु को एक घंटे और 19 मिनट तक चले मैच में टोकोमा ने 21-16, 19-21,16-21 से हराया।

सीएसके में ही सीखा सफलता का मंत्र : रुतुराज

धोनी ने पहले ही दे दिया था कप्तानी का संकेत

चेन्नई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के नये कप्तान बने रुतुराज गायकवाड़ ने कहा हैं कि उन्होंने इस टीम में रहते ही सीखा है कि किस प्रकार सफलता हासिल की जाती है। रुतुराज ने कहा कि पूर्व सीएसके कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी का मैदान पर होना ही एक अहम बात है। वह टीम के लिए एक रीढ़ की हड्डी की तरह हैं। इसके अलावा टीम में रविन्द्र जडेजा और आजिंक्य रहाणे जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। इसलिए वह टीम में किसी प्रकार का भी बदलाव नहीं चाहते हैं। उन्होंने कप्तानी मिलने पर कहा, पहले दिन से ही, मुझे यह पसंद आया कि यह फ्रेंचाइजी कैसे चलती है, मुझे पता चला कि सफलता का मंत्र क्या है और मैं इसमें थोड़ा भी बदलाव करना पसंद नहीं करता। मेरे लिए मैदान पर धोनी जैसे अनुभवी का होना बहुत बड़ी बात है। मेरी टीम में जड़ेजा और रहाणे जैसे खिलाड़ी हैं , इसलिए मैं ऐसा नहीं सोचता कि मुझे कुछ भी बदलने की जरूरत है, बस खिलाड़ियों को वह आजादी देनी है जो वे चाहते हैं। मुझे लगता है कि सब कुछ ठीक होगा। उन्होंने यह भी कहा कि आईपीएल के पिछले सत्र के दौरान ही धोनी ने उन्हें आईपीएल के 17वें सत्र में कप्तानी संभालने के बारे में संकेत दिया था। गायकवाड़ ने कहा, आप जानते हैं कि पिछले साल ही माही भाई ने कप्तानी के बारे में संकेत दिया था। बस संकेत दिया था कि तैयार रहें और यह आपके लिए हैरानी की बात नहीं होनी चाहिए।

भारतीय महिला हॉकी टीम को नई मजबूती देंगे, यह वादा है : कप्तान सविता पूनिया

नई दिल्ली ।

रांची में ओलंपिक क्वालीफायर में हार का दर्द जिंदगी भर उन्हें सालता रहेगा लेकिन भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता पूनिया का वादा है कि अगले चार साल में इतनी मजबूत टीम बनायेंगे कि यह दिन दोबारा नहीं देखना पड़े। सविता ने कहा, 'ओलंपिक क्वालीफायर हारना हमारे लिये ऐसा बुरा पल है जिसे हम खिलाड़ी पूरी जिंदगी शायद नहीं भुला सकेंगे। अभी तक मैं उससे उबर नहीं सकी हूं। रियो ओलंपिक 2016 के जरिये 36 साल बाद ओलंपिक में लौटी भारतीय महिला हॉकी टीम तोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक चौथे स्थान पर रही थी। रांची में जनवरी में खेले गए क्वालीफायर में हालांकि जापान से हारकर उसने पेरिस ओलंपिक जाने का मौका गंवा दिया। इस अनुभवी गोलकीपर ने कहा, 'मैं उसके बारे में बात नहीं करना चाहती थी क्योंकि इससे दुख ही होता है। हमने तोक्यो में चौथे स्थान पर रहने की खुशी देखी और अब ओलंपिक नहीं खेलने का दर्द भी। लेकिन हम खिलाड़ी हैं और हार जीत हमें बहुत कुछ सिखाती है। लेकिन कम से कम हमें यह मलाल नहीं है कि हमने अच्छा नहीं खेला। उन्होंने कहा, 'हम सभी ने अपना शत प्रतिशत दिया और हमारी तैयारी बहुत अच्छी थी। वादा करते हैं कि अगले टूर्नामेंटों में अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे। शायद इस हार के पीछे हमारी बदकिस्मती थी। लोगों से ज्यादा हम खुद दुखी हैं। हमने बहुत मेहनत की थी। सब कुछ झोंक दिया था। उन्होंने कहा, 'यह हमारे लिए सबक है। मुझे अपने सफर का पता नहीं लेकिन कोशिश रहेगी कि अगले चार साल में टीम को इतना मजबूत बनाए कि ओलंपिक और विश्व कप में खेलें और अच्छा खेलें। भारत के लिये 2008 में सीनियर स्तर पर पदार्पण करने वाली सविता ने कहा, 'लोग सिर्फ नतीजे देखते हैं लेकिन एक सीनियर खिलाड़ी या कप्तान के तौर पर मैं कह सकती हूं कि हमारा प्रदर्शन ग्राफ ऊपर ही गया है। छह साल बाद सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप खेल रही इस खिलाड़ी ने कहा, 'खेल की अच्छी बात यही है कि आपको पिछला भुलाकर बहुत जल्दी आगे बढ़ना पड़ता है। इसलिए मैं पुणे में सीनियर राष्ट्रीय महिला चैम्पियनशिप खेलने आई क्योंकि हॉकी मेरा जुनून है और मैदान से जितना दूर रहूंगी, ये बात परेशान करती रहेगी। क्वालीफायर हारने के बाद टीम को मिले ब्रेक में खिलाड़ियों को सारा दुख दर्द भुलाकर नये सिरे से लौटने के लिये कहा गया था। सविता ने कहा, 'घर पर पांच से दस दिन कुछ भी अच्छा नहीं लग रहा था। बहुत कोशिश की लेकिन शरीर साथ नहीं दे रहा था। फिर योग और प्राणायाम का सहारा लिया और फिटनेस पर ध्यान दिया। उन्होंने कहा, 'क्वालीफायर के बाद एक सप्ताह घर पर थे और सभी खिलाड़ियों को कहा कि जितना रोना है, उदास होना है यह ब्रेक उसी के लिए है। भीतर रखने से कुछ नहीं होगा और इसे बाहर निकालना जरूरी है।

इस ब्रेक में ओलंपिक क्वालीफायर के बारे में किसी ने बात नहीं की। ओलंपिक क्वालीफायर हारने के दस दिन बाद ही भुवनेश्वर में एफआईएच प्रो लीग खेलना काफी चुनौतीपूर्ण था लेकिन भारतीय टीम ने आस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम को भी हराया। सविता ने कहा, 'प्रो लीग के लिए टीम भुवनेश्वर में एकत्र हुई तो पहली टीम बैठक में यही देखा कि सभी को कैसा महसूस हो रहा है। युवाओं का मनोबल ऊंचा रहना जरूरी था। टीम को भी श्रेय जाता है कि हमने एकजुट होकर प्रो लीग खेला।

ऋषभ पहले की तरह ही शॉट लगा रहे : पोंटिंग

लय हासिल करने अतिरिक्त प्रयास भी किये

नई दिल्ली । आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने इसपर खुशी जतायी है कि कप्तान ऋषभ पंत पहले की तरह ही सभी प्रकार के शॉट लगा रहे हैं। पोंटिंग के अनुसार ऋषभ ने कार हादसे से उबरने के बाद जिस प्रकार से आईपीएल से मैदान पर वापसी की है जिससे टीम भी उत्साहित है। साथ ही कहा कि वह पहले की तरह ही सभी प्रकार के शॉट खेल रहे रहे हैं जिन्हें वह पहले खेला करते थे। उन्होंने सर्जरी के बाद अपने शरीर को फिट करने के लिए अतिरिक्त प्रयास भी किये हैं। वह कार हादसे के कारण ही गत वर्ष आईपीएल से बाहर थे। पोंटिंग ने कहा, 'वह पूर्व में आईपीएल से पहले जितनी बल्लेबाजी करता था उसकी तुलना में उसने पिछले सप्ताह काफी अधिक बल्लेबाजी की जिससे वह लय हासिल कर सके। इसके जरिये वह फिर से अपने शरीर को खेल के अनुरुप ढ़ालना चाहता है। वह कभी हार नहीं मानने वाला खिलाड़ी है और सबसे अहम बात यह है कि उसके चेहरे पर मुस्कान है जिसे हम सभी देखना पसंद करते हैं।'दिल्ली कैपिटल्स फ्रेंचाइजी ने फिटटेस टेस्ट में पास होने पर ऋषभ को दोबारा कप्तान बनाने की घोषणा की थी। पिछले सत्र में उनके नहीं खेलने से दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी डेविड वॉर्नर ने की थी।

शुभमन को अपने फैसले लेने प्रेरित करुंगा : विलियमसन

नई दिल्ली । न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन ने आईपीएल 2024 सत्र के लिए गुजरात टाइटंस के कप्तान बने शुभमन गिल की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि उनके पास एक बेहतर कप्तान बनने की सभी क्षमताएं हैं। विलियमसन के अनुसार अगर इस टूर्नामेंट में शुभमन को मेरी किसी सहायता की जरुरत पड़ेगी तो मैं उपलब्ध रहूंगा। विलियमसन ने कहा, 'शुभमन एक अच्छा खिलाड़ी है और उसके पास क्रिकेट को लेकर एक अच्छा दिमाग है। मैं निश्चित तौर पर उसे इस राह पर आगे बढ़ने और अपने फैसले लेने के लिए प्रेरित करूंगा। इसमें कोई संदेह नहीं कि वह भी ऐसा ही करने का प्रयास करेगा। पांड्या के मुंबई इंडियंस में जाने के बाद ही शुभमन को गुजरात टाइटंस का कप्तान बनाया गया था। आईपीएल में कप्तानी करना उनके लिए नया अनुभव होगा पर विलियमसन ने कहा कि गिल को जब भी उनकी मदद की जरूरत पड़ेगी, वह हमेशा इसके लिए तैयार रहेंगे। विलियमसन ने कहा, 'मुझे शुभमन की किसी भी तरह से मदद करने में बहुत खुशी होगी और शुभमन भी इस बात को अच्छी तरह से जानते हैं। टाइटंस ने 2022 में आईपीएल का खिताब जीता था जबकि इसके एक साल बाद वह उपविजेता रहा था। विलियमसन का मानना है कि गिल टीम को आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त योग्यता रखते हैं।

महिलाओं के लिए सही तरीके वजन बढ़ाने के

व्यायाम करती महिला महिलायें जब भी वजन बढ़ाने के बारे में प्लान करें उससे पहले कुछ जरूरी जांच जैसे – थॉयरायड और शरीर में हार्मोन के स्तर की जांच करा लें। जब भी महिलाओं का वजन आसानी से नही बढ़ता है। महिलाओं के शरीर की मांसपेशियों में फाइबर निर्माण में मदद करने वाले टेस्टोस्टेरॉन का स्तर आसानी से नही बढ़ता है, इसलिए ही महिलाओं की मांपेशियां आदमियों की तरह गठीली नही हो पाती हैं।

वजन बढ़ाने की प्लांनिंग में सबसे पहले अपने डायट पर ध्यान दीजिए, उसके बाद व्यायाम और योगा पर ध्यान दीजिए। अपने डायट में ऐसे आहार शामिल कीजिए जिसमें ज्यादा कैलोरी, वसा और फाइबर हो। इसके साथ–साथ एक नियमित दिनचर्या बनाइए जो वजन बढ़ाने में बहुत मददगार होता है। आइए हम आपकी इस मुश्किल को कम करने के लिए कुछ नुस्खे बता रहे हैं जिनकी मदद से आप अपना वजन बढ़ा सकती हैं।

सही वजह जानिये

आपका वजन सामान्य से कम है और आप इसके लिए अपनी डायट और लाइफस्टाइल को दोषी मानती हैं। लेकिन, क्या सच में ऐसा है। क्या इसके पीछे हॉर्मोन तो नहीं। इसके लिए आपको अपनी जांच करवानी बेहद जरूरी है। तो जरूरी है कि आप जांच करवाकर इस दुविधा को समाप्त कीजिए। थॉयराइड के चलते भी महिलाओं का वजन असंतुलित हो सकता है। आप सबसे पहले थॉयराइड और शरीर में पाये जाने वाले अन्य हार्मोन की जांच कराइए। अगर जांच में सब सही निकला तो वजन बढ़ाने के लिए अन्य तरीकों को आप जरूर आजमायें।

आहार योजना

महिलाओं के लिए वजन बढ़ाने वाले खाद्य–पदार्थों को अपने डायट चार्ट में शामिल करें। खाने में हाई कैलोरी वाले आहार को शामिल करके महिलायें अपना वजन बढ़ा सकती हैं। इसके अलावा कार्बोहाइड्रेट, वसा और प्रोटीनयुक्त भोजन का सेवन अधिक करें। यदि आपको भूख नही लगती है तो दो–तीन घंटे के अंतराल पर थोड़ा–थोड़ा खाइए।

महिलायें वजन बढ़ाने वाले आहार जैसे – साबुत अनाज, गेहूं वाले बिस्किट, ब्राउन राइस, ओटमील, घी युक्त रोटी, मक्खनयुक्त सूप, बाजरे की रोटी, दालें, चावल की खीर आदि का सेवन करें। फलों का रस, फरूट जूस, फलियां, कस्टर्ड, अखरोट, बादाम और एंटी–ऑक्सीडेंट से भरपूर खाद्य–पदार्थ खायें। रात में सोने से पहले एक गिलास में शहद मिलाकर पीने से वजन बढ़ता है। वजन बढ़ाने के लिए जंक फूड, चिप्स, पिज्जा, बर्गर और तले पदार्थ खाने से बचना चाहिए।

वजन बढ़ाने वाले व्यायाम और योग

महिलायें वजन बढ़ाने के लिए योग और जिम का सहारा ले सकती हैं। कुछ योग के प्रकार जैसे – शीर्षासन, मत्स्यासन आदि महिलाओं को वजन बढ़ाने में कारगर साबित हो सकते हैं। शीर्षासन अतिसक्रिय शरीर को आराम करने में मदद करता है। वही दूसरी तरफ मत्स्यासन यानी मछली की मुद्रा पेट की मांसपेशियों को मजबूत और गतिशील बनाता है। महिलाओं को वजन बढ़ाने के लिए नियमित रूप से कार्डियो व्यायाम करने से बचना चाहिए, यह शरीर से कैलोरी जलाता है। महिलाओं को व्यायाम के दौरान पानी भरपूर मात्रा में पीना चाहिए। जिम में एक्सरसाइज करने से पहले किसी पेशेवर ट्रेनर की मदद अवश्य लीजिए। वजन बढ़ाने के लिए जरूरी नही कि आप कुछ भी खायें, यह ध्यान रखिए कि वजन बढ़ाने के साथ–साथ आपको अपनी सेहत का भी ध्यान रखना जरूरी है। इसलिए नियमित रूप से व्यायाम के साथ–साथ पौष्टिक आहार अवश्य लीजिए और भरपूर आराम कीजिए। इन तरीकों को आजमाने के बाद भी आपका वजन नही बढ़ रहा है तो चिकित्सक से अवश्य संपर्क कीजिए।

कुछ लोग मोटापे से ग्रस्त होते हैं वो वजन कम करने की जुगत में लगे रहते हैं और जो लोग दुबले होते हैं उनको वजन बढ़ाने की चिंता रहती है। लेकिन जो महिलायें पतली होती हैं उनके लिए वजन बढ़ान उतना आसान नही होता है। क्योंकि पुरुषों की तुलना में महिलाओं के मांसपेशियों का घनत्व कम होता है।

अस्वस्थ मोटापे का इलाज कैसे करें

रुग्ण मोटापा यानी मोरबिड ओबेसिटी एक गंभीर समस्या है। इसके कारण आदमी को कई प्रकार की गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। ऐसे में यह जानना बहुत जरूरी है कि इस बीमारी से कैसे बचा जाए और अगर आप इसके शिकार हो ही गए हैं तो कैसे इससे निजात पायी जाए।

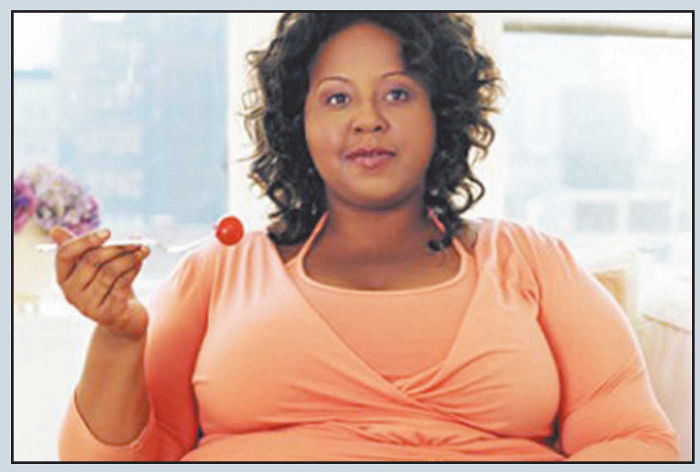

मोरबिड मोटापे से ग्रस्त आदमी रुग्ण मोटापा या मोरबिड ओबेसिटी उस स्थिति को कहते हैं जब बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) की रेटिंग 40 से अधिक हो जाती है। यह स्थिति धीरे–धीरे शुरू होती है और समय के साथ शरीर का वजन बढ़ता जाता है। रुग्ण मोटापे से ग्रस्त लोग को कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्यायें होने लगती हैं। जीवनशैली, मेटाबॉलिक समस्यायें, वंशानुगत, खान–पान की खराब आदतें इसके प्रमुख कारण हैं। इसके कारण उच्च रक्तचाप, हृदय समस्यायें, गैस्ट्रोइंस्टेस्टाइनल रीफ्लक्स रोग, कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। अमेरिकन ओबेसिटी एसोसिएशन के अनुसार रुग्ण मोटापा यानी मोरबिड ओबेसिटी एक गंभीर समस्या है, इसके कारण आदमी को कई प्रकार की गंभीर बीमारियां हो सकती हैं।

मोरबिड ओबेसिटी का उपचार

मोरबिड ओबेसिटी से छुटाकारा पाने के लिए बाजार में कई विकल्प मौजूद हैं। जिनकी सहायता से शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम किया जा सकता है। लेकिन इसके लिए सबसे ज्यादा जरूरी है परहेज, व्यायाम और खान–पान में सुधार। आइए हम आपको कुछ तरीकों के बारे में बताते हैं जिनके जरिए अस्वस्थ मोटापे को कम किया जा सकता है।

आहार योजना

अस्वस्थ मोटापे को नियंत्रित करने की शुरुआत अपने खान–पान से कीजिए। आप यह देखिए कि नियमित रूप से आप कितनी ज्यादा कैलोरी ले रहे हैं। अगर आप ज्यादा कैलोरी का सेवन कर रहे हैं तो उसे कम कीजिए। एक डायट चार्ट बनाइए और उसके अनुसार ही खाइए, आपके डायट चार्ट में सारे पौष्टिक तत्व मौजूद होने चाहिए। बेहतर होगा अगर आप एक बार में अधिक भोजन करने के बजाय थोड़ा–थोड़ा खाना कई बार में खाइए। खाने में सलाद का इस्तेमाल ज्यादा कीजिए। मसालेदार व तैलीय खाने की बजाय ब्रोकली, कैबिज और कई तरह के सलाद खाएं। खाने से आधा घंटा पहले और खाने के आधा घंटा बाद पानी पीजिए। सोने से दो घंटा पहले खाना खा लीजिए, इससे खाना अच्छे से पच जायेगा। अपने लिए मुफीद डायट चार्ट बनाने के लिए आप किसी विशेषज्ञ की सहायता भी ले सकते हैं।

व्यायाम

अमेरिकन कॉलेज ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन के अनुसार, मोटे लोगों को एक सप्ताह में कम से कम 150 मिनट (22 मिनट प्रत्येक दिन) तक व्यायाम करना चाहिए। इसके लिए एरोबिक्स, जॉगिंग, वॉकिंग, रनिंग आदि करना चाहिए। इसके अलावा योगा भी किया जा सकता है, योग के कुछ आसन जैसे – त्रिकोणासन, कोणासन, उत्पादासन, पवनमुक्तासन, सूर्य नमस्कार, गरूड़ासन आदि वजन कम करने में सहायक हैं। व्यायाम और योग करने से हार्ट अटैक, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, आदि नियंत्रित रहता है।

सर्जरी

जिन लोगों का बीएमआई 40 या उससे अधिक है वो इसे कम करने के लिए सर्जरी की सहायता ले सकते हैं। इसके लिए बेरियाट्रिक सर्जरी और गैस्ट्रिक बाइपास सर्जरी करावाया जा सकता है। बेरियाट्रिक सर्जरी में पेट के कुछ हिस्सों को सील किया जाता है जिससे आदमी ज्यादा खाना न खा सके। सर्जरी कुछ लोगों के लिए वरदान साबित होती है और इसके बाद वे सामान्य जीवन यापन कर सकते हैं।

अस्वस्थ मोटापा नियंत्रित करने के लिए अन्य सुझाव

ज्यादा से ज्यादा ताजे फल और हरी सब्जियां खायें। तला–भुना खाने से परहेज कीजिए। नियमित व्यायाम बहुत जरूरी है। धीरे, परंतु लगातार वजन कम करें। ज्यादा उपवास न करें। थोड़–थोड़े अंतराल पर थोड़ा–थोड़ा खाना खायें। भोजन में चीनी, चर्बीयुक्त खाद्य पदार्थ और अल्कोहल कम लें। कम चर्बी वाले दूध का सेवन करें। अस्वस्थ मोटापे को नियंत्रित करने के लिए पानी का अधिक सेवन करें। पानी पीने से शरीर के विषाक्त पदार्थ बाहर निकलते हैं और शरीर स्वस्थ रहता है। इसके अलावा सकारात्मक सोच का होना बहुत जरूरी है। सकारात्मक सोच के साथ नियमों का पालन कीजिए, मोटापा जरूर नियंत्रित होगा।

पुरुषों के लिए एंटी-एजिंग के प्राकृतिक उपाय

अब खूबसूरत दिखाई देने की चाहत सिर्फ महिलाओं तक ही सीमित नहीं है, बल्कि पुरुष भी अपने लुक को लेकर काफी सजग हो गए हैं। चेहरे पर आते उम्र के निशान उन्हें भी उतना ही परेशान करते हैं जितना कि किसी महिला को। पुरुष भी अब जवां बने रहने और जवां दिखाई देने के लिए हर सम्भव कोशिश करने को तैयार हैं। पुरुषों की इस चाहत और जरूरत को देखते हुए कई ऐसे तरीके आ गए हैं, जो पुरुषों को लम्बे वक्त तक जवां बने रहने में मदद करते हैं। ये तरीके खास तौर पर पुरुषों को ध्यान में रखकर ही तैयार किए गए हैं।

पुरुषों के लिए एंटी–एजिंग उपाय

हालांकि, उम्र के असर की निशानियां जैसे लकीरें और झुर्रियां आजकल के पुरुषों को परेशान करती रहती हैं। लेकिन, कुछ पुरुष सर्जरी करवाकर इन्हें हटाना नहीं चाहते। ऐसे लोगों के लिए ही कुछ उपाय हैं जो बेहद असरदार हैं। आइए जानें ऐसे ही पांच शानदार उपायों के बारे में–

धूम्रपान को कहें ना

धूम्रपान से आपके शरीर पर उम्र का असर जल्द दिखायी देने लगता है। धूम्रपान का आपके शरीर पर बहुत बुरा असर पड़ता है। और यही लक्षण आपकी त्वचा पर भी परिलक्षित होने लगते हैं। जब आपकी त्वचा सगिरेट से निकलने वाले धुएं के संपर्क में आती है,तो उसे काफी नुकसान होता है। यह प्राकृतिक रूप से स्वस्थ त्वचा को नुकसान पहुंचाकर उसकी ऊपरी परत को नष्ट कर देती है। इससे त्वचा को जवां बनाए रखने वाला एलस्टिन प्रोटीन भी खत्म हो जाता है। धूम्रपान करने से आपके चेहरे पर झुर्रियों का असर जल्द नजर आने लगता है। सिगरेट में मौजूद निकोटिन रक्त कोशिकाओं को सिकोड़ देता है। इससे शरीर में ऑक्सीजन और जरूरी पोषण सही मात्रा में नहीं पहुंच पाते। अगर आप एक स्वस्थ और जवां त्वचा चाहते हैं तो सबसे पहले आपको धूम्रपान से तौबा करनी चाहिए।

व्यायाम कीजिए जवां रहिये

नियमित व्यायाम करना आपके शरीर की शक्ति और कार्यक्षमता बढ़ाता है। इससे आपकी त्वचा भी अधिक कसी हुई रहती है। नियमित व्यायाम न करने और असंतुलित जीवनशैली अपनाने से आपके शरीर की कार्यप्रणाली धीमी हो जाती है और इसका असर उम्र अधिक दिखने के तौर पर सामने आने लगता है। व्यायाम से आपके शरीर में रक्त–संचार सुचारू रूप से होता है। और शरीर के हर अंग को पर्याप्त मात्रा में रक्त मिलता है। जैसे–जैसे हमारी उम्र बढ़ती है तो कई बार टांगों और हाथों को पूरी पोषण नहीं मिल पाता। व्यायाम के दौरान आपके शरीर से पर्याप्त मात्रा में पसीना निकलता है। इस पसीने के जरिये आपके शरीर से विषाक्त पदार्थ बाहर निकल जाते हैं। इससे शरीर का प्राकृतिक माश्चराइजर सीबम ऑयल भी बाहर निकलता है।

भरपूर नींद लीजिए

अगर आप भरपूर नींद लेते हैं तो आपको उम्र के असर को दूर रखने में काफी मदद मिल सकती है। अगर आप अच्छी नींद सोते हैं तो आपकी सेहत भी अच्छी रहती है। कोशिश करें कि आपके सोने और उठने का समय एक जैसा हो।

ध्यान और योग

योग और ध्यान के जरिये भी आप उम्र के असर को दूर रख सकते हैं। योग और ध्यान आपको केवल मानसिक रूप से ही शांत नहीं रखते बल्कि आपको शारीरिक रूप से भी मजबूत बनाते हैं। इनसे आपको तनावमुक्त रहने में मदद मिलती है। इससे आपके शरीर में रक्त संचार सुचारू रूप से होता है। इसके साथ ही दिल की बीमारियां, मोटापा और त्वचा की जलन से भी राहत मिलती है। इससे हमारी रोगप्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती और आप बीमारियों से दूर रहते हैं।